www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 71 || लखनऊ
गुरूवार
11 जून 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:10
सूर्यास्त: 07:01
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार मोदी युग के बारह वर्ष: विकास ... >> पेज 04 | शंकराचार्य पर फर्जी ... >> पेज 06 | करिश्मा-माधुरी के बाद कैटरीना ...

ट्रस्ट से रिपोर्ट मांगी, भाजपा नेता ने लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की थी

राममंदिर के चढ़ावे में चोरी के दावे पर पीएमओ सख्त

दरअसल, सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार, 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई है। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामले का संज्ञान लेना चाहिए। इस पर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने इस पर सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि ट्रस्ट का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता है।

> डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- सपा मुखिया अखिलेश यादव जी आपने कभी सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का सम्मान नहीं किया। आपकी सोच बाबरवादी है। श्रीराम मंदिर को लेकर अफवाह फैला कर झूठ गढ़ने का असफल प्रयास कर रहे हैं। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि अखिलेश अच्छा नहीं कर रहे हैं। मैं यही कह रहा हूं कि एक भी पैसा चोरी नहीं हो रहा है। जब दर्शन नहीं करेंगे, जब रामलला को निहारा ही नहीं तो आरोप तो लगाएंगे ही। जब रूप निहारेंगे तो आरोप बंद हो जाएंगे।

मंदिर पर 2,475 करोड़ रुपए खर्च

13 दिसंबर, 2025 को मंदिर ट्रस्ट की बैठक में जानकारी सामने आई थी कि अब तक ट्रस्ट को कुल 4,575 करोड़ रुपए मिले हैं। पिछले 5 साल 9 महीने में मंदिर निर्माण, श्रीराम जन्मभूमि परिसर के विस्तार, जमीन और भवन की खरीद सहित अन्य कई कामों पर 2,475 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। तब ट्रस्ट के पास लगभग 2100 करोड़ रुपए बचे थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे पर प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने बुधवार को मंदिर ट्रस्ट से रिपोर्ट मांगी है। यह जानकारी सूत्रों से पता चली है। भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर CBI से जांच कराने की मांग की थी। इधर, राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की थी। राम मंदिर परिसर के एक बंद कमरे में करीब 4 घंटे तक बैठक चली। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में चढ़ावे की राशि, उसके उपयोग और लेखा-जोखा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को फिर से राम मंदिर में कथित चोरी का मुद्दा उठाया। अखिलेश ने सरकार से 11 सवाल पूछे। उन्होंने कहा- आखिर देश की सनातन आस्था से खिलवाड़ करने वालों के पीछे कौन लोग हैं? चढ़ावे में कथित चोरी करने वालों को कौन बचा रहा है? सहारनपुर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने राम मंदिर चंदे में कथित गड़बड़ी को लेकर अखिलेश यादव के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- अखिलेश जी ने जो बात कही होगी, वह किसी न किसी तथ्य के आधार पर कही होगी। वे हवा में बातें नहीं करते हैं। मंत्री ओपी राजभर ने कहा- अखिलेश यादव कभी अयोध्या गए हैं? राम मंदिर का दरवाजा किधर है, वो देखे हैं? उनके पास कौन सबूत आ गया कि रुपए की चोरी हो गई। सरकार को पता नहीं, खुफिया तंत्र को पता नहीं और इनको जरूर पता हो गया। तो ये सब झूठ बोलने वाले लोग हैं, गुमराह करने वाले लोग हैं, और कुछ है नहीं। अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा- प्रभु श्रीराम के मंदिर में करोड़ों रुपए के चढ़ावे में हेरा-फेरी हुई है, लूट हुई है। ये लूट करने वाले कोई बाहरी नहीं हैं। लूट करने वालों जनता जानती है।

भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को अफसरों के साथ 4 घंटे तक बैठक की थी।

अखिलेश बोले- सीसीटीवी जारी करने में क्या दिक्कत है?

अखिलेश ने मंगलवार को कहा- सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने में क्या दिक्कत है। साथ ही उन्होंने निजी कंपनियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। पूछा कि चढ़ावे की गिनती जैसे संवेदनशील काम में ट्रस्ट और सरकारी बैंक के बीच निजी कंपनियों को शामिल करने का फैसला किसने लिया। उन्होंने कहा- आखिर ट्रस्टी कहना क्या चाहते हैं किसी को समझ नहीं आ रहा है। हेराफेरी में संलिप्त लोगों को हिरासत में लेने की खबरें अखबारों, टीवी चैनलों पर प्रसारित की जा रही हैं। पहले पुलिस कुछ नहीं कहती, लेकिन बाद में खंडन करती है। जनता के आक्रोश को देखकर पूरे देश के भाजपाइयों की घिग्घी बंध गई है।

अयोध्या के राम मंदिर में रोज एक करोड़ रुपए से ज्यादा का दान

राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी, 2024 को हुई थी। बीते दो सालों में राम मंदिर की तस्वीर तेजी से बदली है। मंदिर की आय का मुख्य स्रोत दान और बैंक डिपॉजिट पर मिलने वाला ब्याज है।

ग्लोबल वेल्थ इंडेक्स-2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर की अचल संपत्तियों में लगभग 70 एकड़ का मुख्य परिसर और उसके आसपास की अधिग्रहित भूमि है। साथ ही निर्माणाधीन मंदिर की भव्य संरचना (जिसकी निर्माण लागत ही 1,800 करोड़ से अधिक है), इसकी कुल संपत्ति को 6,000 करोड़ से 8,000 करोड़ के पार ले जाती है।

भाजपा नेता ने लेटर लिखकर कहा था- सीबीआई, ईडी से जांच कराई जाए

अयोध्या के भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने लेटर लिखा था- राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में चढ़ावे, दान और मंदिर प्रशासन से जुड़े किसी भी विवाद या आरोप पर पारदर्शिता आवश्यक है। अगर आरोप निराधार हैं तो जांच के माध्यम से सच्चाई सामने लाई जाए।

- मामले की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र और उच्चस्तरीय एजेंसी (जैसे CBI, ED) से कराई जाए।
- दान की राशि इकट्ठा करने, गिनने, ले जाने और बैंक में जमा करने की पूरी प्रक्रिया का विशेष ऑडिट कराया जाए।
- अगर किसी व्यक्ति, कर्मचारी या अधिकारी की गलती या संलिप्तता सामने आती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।
- जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए, ताकि देश के श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे।

होर्मुज के पास ऑयल टैंकर पर मिसाइल अटैक

आग लगने के बाद एक क्रू मेंबर की मौत, दो लापता

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। होर्मुज स्ट्रेट के पास मिसाइल हमले से एक ऑयल टैंकर के इंजन रूम में आग लग गई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) के मुताबिक, हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि चालक दल के दो सदस्य अभी भी लापता हैं। हादसे के बाद लोकल अधिकारी मौके पर पहुंच गए और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित निकालने का ऑपरेशन जारी हैं। यह टैंकर ओमान के सोहार बंदरगाह से करीब 37 किलोमीटर दूर समुद्र में मौजूद था। इस बीच मस्कट स्थित भारतीय

दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसे ओमान तट के पास जहाज से जुड़ी घटना की जानकारी मिल गई है। दूतावास पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। जल्द ही इस मामले में नई जानकारी साझा की जाएगी।दक्षिणी लेबनान के टायर शहर में हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर, दावा- प्रदर्शन रोकने के लिए जा रहे थे सैनिक

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक MI-17 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी PoK के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है। मुजफ्फराबाद में

उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन सुरक्षित उतारा नहीं जा सका। पाकिस्तानी सेना ने कहा है।

फास्ट न्यूज

एमपी के राज्यसभा प्रत्याशियों की फाइनल लिस्ट में 3 नाम

भोपाल/दिल्ली। मध्य प्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज हो गया है। भोपाल में राज्यसभा के रिटर्निंग ऑफिसर ने मध्य प्रदेश के राज्यसभा उम्मीदवारों की स्क्रूटनी के बाद फाइनल लिस्ट जारी कर दी है। इनमें बीजेपी कैंडिडेट्स तरुण चुग, महेश केवट और रजनीश अग्रवाल के नाम शामिल हैं।

आरएसएस मुख्यालय, महाराष्ट्र सीएम दफ्तर, मुंबई-पुणे मेयर ऑफिस उड़ाने की धमकी

मुंबई। महाराष्ट्र और गुजरात में बुधवार को कई जगहों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। इन जगहों में RSS मुख्यालय, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) की बिल्डिंग, मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO), बॉम्बे हाईकोर्ट बिल्डिंग और मुंबई-पुणे के मेयर ऑफिस, अहमदाबाद नगर निगम (AMC) मुख्यालय शामिल हैं। ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। दोनों राज्यों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

चंडीगढ़ से दिल्ली जा रही फ्लाइट में हंगामा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट (AI-1879) में बीते रविवार को एक पैसेंजर ने बीच हवा में हंगामा शुरू कर दिया। यात्री ने फ्लाइट की विंडो का शीशा भी तोड़ दिया। उसने फ्लाइट क्रू के साथ बदतमीजी की। हालांकि, क्रू मेंबर्स ने पैसेंजर को संभाला और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया।

पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट में 29 लाख मतदाता बढ़े

2 करोड़ नाम काटे गए, यूपी में हर वोटर को मिला 9 अंकों का खास नंबर

तैयार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची बुधवार को जारी कर दी गई। तमाम दावों, आपत्तियों के निस्तारण और गहन सत्यापन के बाद इस फाइनल लिस्ट को तैयार किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस बार एक बड़ा बदलाव करते हुए हर पंचायत मतदाता को 9 अंकों का एक यूनिक पहचान नंबर जारी किया है। हालांकि, सूची जारी होते ही कई जिलों में वोटर्स को इसे डाउनलोड करने में भारी परेशानी का सामना

करना पड़ रहा है। हालांकि, ऐसा तकनीकी दिक्कतों के चलते हो रहा है।वहीं, पंचायत चुनाव की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के पहले दौर में 12 करोड़ 69 लाख 69 हजार 610 मतदाता बने थे। लेकिन, दावे आपत्ति के निस्तारण में 11 लाख 18 हजार 840 नाम कट गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

पंचायत में बढ़े 29 लाख मतदाता

राज्य निर्वाचन आयोग की जारी मतदाता सूची के मुताबिक, प्रदेश में अब पंचायत चुनाव के लिए 12 करोड़ 58 लाख 51 हजार 570 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। मतदाता सूची के पुनरीक्षण से पहले 12 करोड़ 29 लाख 50 हजार 52 मतदाता थे। इस तरह से मतदाताओं की संख्या में 29 लाख 1 हजार 518 की वृद्धि हुई है। मतदाता सूची पुनरीक्षण में 2 करोड़ 32 लाख 24 हजार 805 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं।

हमने सालों के काम महीनों में किए, शुभेंदु ने पीएम को झालमुड़ी खिलाई

कांग्रेस ने विफलता का कलंक हिंदुओं पर लगाया : पीएम

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनके कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे होने पर भारत मंडपम में आयोजित NDA बैठक में उनका सम्मान किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, "2014 के बाद भारत के लोगों ने देखा कि सही नीयत से सरकार चलती है तो देश का विकास होता है। 12 साल में 25

पीएम मोदी ने भाजपा-एनडीए नेताओं के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाई।

करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना दिखाता है कि हमारी नीतियां सही हैं। हमने सालों के काम महीनों में किए।" मोदी ने कहा, "12 साल में देश कांग्रेस के कूचक्र से आजाद हुआ। कांग्रेस ने देश को लाचार बना दिया था। देश को एहसास कराया था कि विकास धीरे-धीरे होता है और इसे हिंदू ग्रोथ रेट का नाम दिया था। विफलता कांग्रेस की थी लेकिन कलंक हिंदू आबादी पर लगाया गया।" मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। अपने तीसरे कार्यकाल में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू का

बंगाल सीएम शुभेंदु ने पीएम मोदी को झालमुड़ी परोस कर दी।

रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। नेहरू के नाम 4,398 दिनों तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड था।

>> (शेष पेज 06 पर)

कार्यवाई : यूपी एनएचएम घोटाले का सरगना बताया, काली कमाई से करोड़ों की संपत्ति बनाई

पूर्व कांग्रेस विधायक को मॉल से दबोच ले गई विजिलेंस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में विजिलेंस टीम ने बुधवार को राष्ट्रीय हेल्थ मिशन (NHM) घोटाले के सरगना पूर्व कांग्रेस विधायक मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेंद्र प्रताप श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें वेव मॉल से पकड़ा गया। विजिलेंस ने मुकेश की गिरफ्तारी आय से अधिक संपत्ति के मामले में की है। मेडिकल कराने के बाद मुकेश श्रीवास्तव को जेल भेज दिया गया। विजिलेंस के अनुसार,

मुकेश श्रीवास्तव, पूर्व विधायक

मुकेश श्रीवास्तव ने 2012 से 2017 के बीच बहराइच की पयागपुर सीट से विधायक रहते हुए अपनी कमाई से ज्यादा संपत्ति बनाई।

>> (शेष पेज 06 पर)

एक वाहन की जगह तीन का बिल

विजिलेंस जांच में यह भी पता चला कि एक वाहन चलाने के बदले तीन वाहनों का खर्च दिखाकर भुगतान लिया गया। कई मामलों में टेंडर प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और बिना निविदा के काम कराए गए। इस अनियमितता में बलरामपुर के तत्कालीन सीएमओ डॉ. घनश्याम सिंह की भूमिका भी जांच में सामने आई।

पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव का सिविल अस्पताल में मेडिकल जांच हुई।

मेडिकल बिल पास कराने में रिश्वत के आरोप

जांच रिपोर्ट के मुताबिक, चिकित्सा प्रतिपूर्ति (मेडिकल रिइम्बर्समेंट) के भुगतान के लिए 10 से 25 प्रतिशत तक रिश्वत ली जाती थी। कई भुगतान जरूरी दस्तावेज और रजिस्टर के बिना ही पास कर दिए गए। विजिलेंस जांच के अनुसार, चिकित्सा प्रतिपूर्ति भुगतान बिना आवश्यक रजिस्टर तैयार किए पास किए गए।

> मुकेश श्रीवास्तव के खिलाफ बलरामपुर में दवा और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में घोटाले को लेकर एफआईआर लिखी गई थी। श्रावस्ती और गोंडा में उनके खिलाफ अलग-अलग मुकदमे दर्ज हैं। विजिलेंस का दावा है कि स्वास्थ्य विभाग के कामों में नियमों को दरकिनार कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया।

टीएमसी में बड़ी टूट, 22 सांसद बागी खेमे में

20 लोकसभा और 2 राज्यसभा सांसदों के समर्थन का दावा

दरार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (TMC) में लगातार टूट जारी है। काकोली घोष के नेतृत्व वाले TMC बागी गुट ने 19 लोकसभा सांसदों के नाम की लिस्ट जारी कर दी।

इसमें ममता की करीबी मानी जाने वाली जादवपुर से सांसद सायोनी घोष, यूसुफ पठान और शत्रुघ्न सिन्हा का भी नाम शामिल है। 8 जून को काकोली घोष ने दावा किया था कि उन्होंने 20 लोकसाभा सांसदों के समर्थन वाला पत्र स्पीकर ओम बिरला को भेजा है। वहीं बुधवार को राज्यसभा

सांसद सुष्मिता देव ने भी पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले 3 दिनों में TMC के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पहले 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। इसके बाद TMC के लोकसभा में 28 में से 20 सांसद और राज्यसभा में 13 में से 2 सांसद यानी कुल 22 सांसद टूट चुके हैं।

1.41 करोड़ नाम हटे ■ यूपी में हर वोटर को मिला 9 अंकों का खास नंबर

पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट में 40 लाख मतदाता बढ़े

बढ़ोत्तरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची बुधवार को जारी कर दी गई। तमाम दावों, आपत्तियों के निस्तारण और गहन सत्यापन के बाद इस फाइनल लिस्ट को तैयार किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने इस बार एक बड़ा बदलाव करते हुए हर पंचायत मतदाता को 9 अंकों का एक यूनिक पहचान नंबर जारी किया है। हालांकि, सूची जारी होते ही कई जिलों में वोटर्स को इसे डाउनलोड करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, ऐसा तकनीकी दिक्कतों के चलते हो रहा है।

राज्य निर्वाचन आयोग ने इससे पहले 18 दिसंबर, 2025 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की थी। इसके बाद चले संशोधन अभियान के बाद आए आंकड़े चौंकाने वाले हैं। फाइनल वोटर लिस्ट में करीब 1.81 करोड़ नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। वहीं, करीब 1.41 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। कुल मिलाकर इस बार पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट में करीब 40.19 लाख मतदाताओं की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

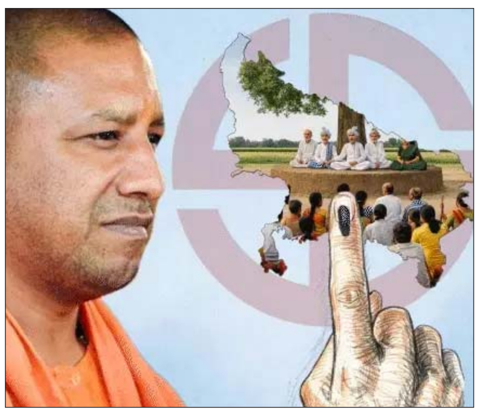

हाईकोर्ट में फंसा पेंच-जुलाई में मांगी रिपोर्ट

यूपी सरकार ने भले ही आयोग को 6 महीने का वक्त दिया है, लेकिन जल्द पंचायत चुनाव कराने को लेकर दायर एक याचिका अभी इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित है। हाईकोर्ट ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए ओबीसी कमिशन को जुलाई में ही अपनी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

यूपी में पंचायतों की स्थिति

ग्राम पंचायत	क्षेत्र पंचायत	जिला पंचायत
58,189	824	75

* आंकड़े 2021 के परिसीमन के अनुसार हैं।

सोर्स- राज्य निर्वाचन आयोग, उप्र

चुनाव अभी तय नहीं, अगले 6 महीने प्रधान ही संभालेंगे कुर्सी

यूपी में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बीती 26 मई को खत्म हो चुका है। समय पर चुनाव न हो पाने के कारण सरकार ने बड़ा फैसला लिया था। निवर्तमान प्रधानों को ही अगले 6 महीने के लिए प्रशासक के तौर पर जिम्मेदारी सौंप दी है। सरकार ने पंचायत चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर पिछड़ा वर्ग आयोग भी बनाया है। इस कमिशन को 6 महीने के भीतर जिलावार आर्थिक और सामाजिक स्तर की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

आजीविका मिशन के सच्चे सिपाही बनें हर गांव तक पहुंचे समृद्धि की रोशनी

तमसा संकेत, संवाददाता

■ नवचयनित प्रबंधकों को मिला मंत्र "लक्ष्य बड़ा है, संकल्प अटल हो, परिणाम जमीन पर दिखें"-केशव प्रसाद

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ मे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के नवचयनित राज्य मिशन प्रबंधकों/मिशन प्रबंधकों के लिए दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ में 7 दिवसीय आवासीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्रीमती दीपा रंजन द्वारा कराया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 8 से 14 जून तक

आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ राज्य मुख्यालय आजीविका मिशन से पधारे संयुक्त मिशन निदेशक श्री प्रवीणानंद ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, ₹आप सभी को इस नई जिम्मेदारी के लिए हृदय से बधाई। कहा कि आप केवल प्रबंधक नहीं हैं; आप ग्रामीण उत्तर प्रदेश की करोड़ों माताओं-बहनों के सपनों के वाहक हैं।

फास्ट न्यूज

केजीएमयू कैंसर दवा घोटाले में बड़ी पड़ताल

लखनऊ। KGMU के यूरोलॉजी विभाग में कैंसर की महंगी दवाओं के घोटाले का मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब कैंसर मरीजों का इलाज करने वाले सात विभागों में दवाओं और मरीजों के रिकॉर्ड की जांच कराई जा रही है। जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय कमेटी तीन विभागों की तफ्तीश पूरी कर चुकी है।

लखनऊ में आप कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी नोकझोंक

लखनऊ। लखनऊ में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं का पेपर लीक के खिलाफ जोरदा विरोध प्रदर्शन किया। हजरतगंज चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं ने कहा बार-बार पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से छात्र मानसिक रूप से परेशान हो चुके हैं। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उनसे भिड़ गए। बस पर चढ़कर नारेबाजी की।

फर्जी दस्तावेजों से 25 लाख का लोन लिया

लखनऊ । लखनऊ में आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (EOW) ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंक से 25 लाख रुपए का ऋण लेकर हड़पने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पिछले 6 वर्षों से फरार चल रहे थे। EOW की विशेष टीम ने उन्हें लखनऊ के अलग-अलग इलाकों से दबोचा।

विधि छात्रों ने किया डीएलएसए एवं एलएडीसीएस कार्यालय का भ्रमण

तमसा संकेत, संवाददाता

> मुख्य विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता, श्री अरुण मिश्रा ने इंटर्न्स को लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की कार्यप्रणाली, आपराधिक मामलों में निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था तथा अभियुक्तों के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एलएडीसीएस व्यवस्था न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा आयोजित समर इंटर्नशिप कार्यक्रम-2026 के अंतर्गत विभिन्न विधि महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के 128 विधि छात्र-छात्राओं ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम, लखनऊ का भ्रमण किया। कार्यक्रम के दौरान इंटर्न्स को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, पूर्व वाद मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर योजना तथा विधिक जागरूकता कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की संरचना एवं आर्थिक रूप से कमजोर अभियुक्तों को उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर उप सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ श्रीमती शालीन मिश्रा ने विद्यार्थियों को विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका, न्याय तक समान पहुंच तथा समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों के संरक्षण के संबंध में जानकारी प्रदान की।

454 अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग

275 अभ्यर्थियों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

> मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत राजकीय आईटीआई अलीगंज में रोजगार मेले का आयोजन

लखनऊ। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अंतर्गत बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में वृहद कैंपस ड्राइव एवं रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय आईटीआई अलीगंज, ग्रे-सिम लर्निंग्स फाउंडेशन तथा क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लखनऊ के संयुक्त सहयोग से किया गया। इन कंपनियों द्वारा विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं और उद्योग जगत के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

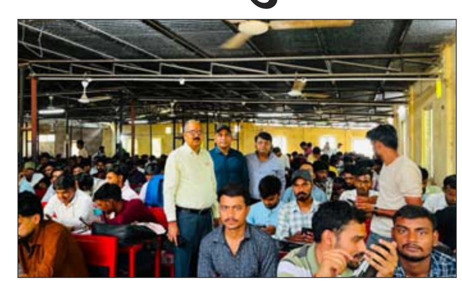

> रोजगार मेले में अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद किया तथा रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त की। चयनित अभ्यर्थियों ने प्रदेश सरकार एवं संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए इस अवसर के लिए प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत

राजकीय आईटीआई अलीगंज के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने उपस्थित कंपनी प्रतिनिधियों से अधिकाधिक अभ्यर्थियों का चयन करने का अनुरोध किया तथा चयनित अभ्यर्थियों को समयबद्ध रूप से जॉइनिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने रोजगार मेले के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने के लिए ग्रे-सिम लर्निंग्स फाउंडेशन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

पेपर लीक की पूरी व्यवस्था के जिम्मेदार केंद्रीय शिक्षा मंत्री हैं, उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए: अनित रावत

छात्रों को उनका अधिकार मिले या सरकार को सत्ता से जाना होगा

तमसा संकेत, संवाददाता

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आप छात्रविंग का हजरतगंज चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन
- दरोगा भर्ती से लेकर नीट और सीयूईटी तक करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद हुआ, सरकार जवाब दे: अनित रावत
- भाजपा सरकार ने परीक्षा माफियाओं को संरक्षण देकर युवाओं के साथ विश्वासघात किया: अनित रावत

लखनऊ। देशभर में लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के विरोध में तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी की छात्र विंग ASAP (Association of Students for Alternative Politics) ने बुधवार को राजधानी लखनऊ में जीपीओ कार्यालय के निकट जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व छात्रविंग के प्रदेश महासचिव अनित रावत ने किया। इस दौरान छात्र और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई और पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर इको गार्डन भेज दिया । छात्रों और युवाओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए परीक्षा प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार और पेपर लीक माफियाओं पर कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। अनित रावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 की दरोगा भर्ती से शुरू हुआ पेपर लीक का सिलसिला आज तक नहीं रुका है। दरोगा भर्ती, नलकूप चालक भर्ती, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, यूपीपीसीएल जेई परीक्षा, लोअर सबोर्डिनेट परीक्षा, यूपी ट्रिपल एससी, यूपीटीईटी, यूपी बोर्ड, राजस्व लेखपाल भर्ती, यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती, समीक्षा अधिकारी भर्ती समेत अनेक परीक्षाएं पेपर लीक और धांधली की भेंट चढ़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में NEET 2026 और CUET परीक्षा में भी गंभीर अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं ने करोड़ों छात्रों का भरोसा तोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन एजेंसियों को पहले अनियमितताओं के कारण ब्लैकलिस्ट किया जा चुका था, उन्हीं एजेंसियों को दोबारा परीक्षा कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई। यह संयोग नहीं बल्कि सुनियोजित संरक्षण का मामला है।

> प्रदर्शन को संबोधित करते हुए छात्रविंग के प्रदेश महासचिव अनित रावत ने कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक इस बात का प्रमाण हैं कि केंद्र और राज्य सरकारें परीक्षा प्रणाली की गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने में पूरी तरह विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि जब देश की सबसे बड़ी परीक्षाएं बार-बार लीक हो रही हों तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लेते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

लखनऊ में तेज रफ्तार सफारी डिवाइडर में घुसी

रेलिंग तोड़ते हुए 25 मीटर तक घिसटती रही

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के शहीद पथ पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। वृंदावन योजना के पास तेज रफ्तार सफारी कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 25 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसा इतना भयानक था कि रेलिंग का एक हिस्सा (लोहे की पट्टी) कार का शीशा तोड़ते हुए अंदर तक घुस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, UP 32 AE 6497 नंबर की सफारी शहीद पथ पर तेज गति से जा रही थी। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद लोहे की रेलिंग उखड़कर वाहन में फंस गई। कार घिसटती रही। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर

पहुंची पुलिस और राहत टीम ने वाहन में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए मेदांता अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, हादसे में ड्राइवर अमित कुमार वर्मा (36), हिंदुस्तान पेट्रोलियम (HPCL) के ऑडिट अफसर आशीष कुमार और पीयूष कुमार घायल हुए हैं। उनकी स्थिति स्थिर है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, हालांकि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभाल ली और यातायात को सुचारु रूप से संचालित कराया।

जांच : एनआरएचएम घोटाले का सरगना, आय से अधिक संपत्ति मामले में विजिलेंस का एक्शन

पूर्व कांग्रेस विधायक मुकेश श्रीवास्तव गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । विजिलेंस टीम ने आज वेव मॉल से राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के सरगना पूर्व कांग्रेस विधायक मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेंद्र प्रताप श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया है। विजिलेंस लखनऊ सेक्टर की टीम ने उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे में गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि बहराइच जिले के पयागपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहते हुए उन्होंने वर्ष 2012 से 2017 के बीच अपनी वैध आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। इस मामले में थाना सतर्कता अधिष्ठान, लखनऊ सेक्टर में मुकदमा संख्या 11/2023 दर्ज है।

उनके खिलाफ एनआरएचएम घोटाले से जुड़े मामलों में श्रावस्ती, बलरामपुर और गोंडा जिले में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की भी जांच चल रही है। एनआरएचएम घोटाले में पयागपुर के पूर्व कांग्रेस विधायक मुकेश श्रीवास्तव, तत्कालीन मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. घनश्याम सिंह, डॉ. सत्यदेव, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीन कुमार, वरिष्ठ सहायक अजय कुमार श्रीवास्तव, अवर अभियंता राम मनोरथ मौर्य, कनिष्ठ सहायक पूनम सिंह और आरपी ग्रुप ऑफ कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव को भी नामजद किया गया है।

विधायक रहने के दौरान संपत्ति बढ़ाने के आरोप

विजिलेंस के मुताबिक, लोकसेवक के रूप में कार्यकाल के दौरान मुकेश श्रीवास्तव ने ज्ञात और वैध आय स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। प्रारंभिक जांच में इसे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) के तहत दंडनीय अपराध माना गया है। विजिलेंस के रिकॉर्ड के अनुसार, एफआईआर संख्या 07/2026 के तहत श्रावस्ती जिले में वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच एनआरएचएम से जुड़े कार्यों में व्यापक वित्तीय अनियमितताओं के आरोप पाए गए हैं।

बलरामपुर-गोंडा में भी करोड़ों की अनियमितताओं के आरोप

मुकेश श्रीवास्तव के खिलाफ एफआईआर संख्या 08/2026 के तहत बलरामपुर जिले में एनआरएचएम योजनाओं में गड़बड़ी का मामला दर्ज है। आरोप है कि वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच स्वास्थ्य विभाग के कार्यों में व्यापक वित्तीय अनियमितताएं हुईं। इस मुकदमे में धोखाधड़ी, जालसाजी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं लगाई गई हैं। विजिलेंस के अयोध्या सेक्टर में दर्ज एफआईआर संख्या 08/2025 के अनुसार, गोंडा जिले में एनआरएचएम घोटाले से जुड़े प्रकरण में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। इस मामले में मुकेश श्रीवास्तव के खिलाफ आईपीसी की धारा 120-बी, 409 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

विकसित भारत - जी राम जी में उत्तर प्रदेश को सबसे बड़ा हिस्सा

रोजगार और ग्रामीण विकास के लिए केंद्र का बड़ा फैसला

■ रु 9,721करोड़ से अधिक का आवंटन

■ गांव, गरीब और श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम, यूपी को मिला सर्वाधिक फंड

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों की एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में सहभागिता की।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में ग्रामीण रोजगार, श्रमिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से यह व्यापक वित्तीय एवं नीतिगत पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई, 2026 से लागू होने वाली नई व्यवस्था के अंतर्गत ट्रान्जिशन प्रक्रिया पूरी तरह श्रमिक-केंद्रित, सुचारु एवं बाधारहित होनी चाहिए। चौहान ने कहा कि यह केवल एक योजना का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रमिकों के जीवन, रोजगार और आजीविका से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि "एक भी श्रमिक काम से वंचित न रहे" तथा रोजगार उपलब्धता, समयबद्ध मजदूरी भुगतान एवं श्रमिकों के वैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के तहत पूर्व में ही रू 30,000 करोड़ की धनराशि जारी की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 95,692 करोड़ की अंतरिम धनराशि आवंटित की जा रही है।

कांग्रेस ने धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका

विरोध

नीट पेपर लीक और बढ़ती महंगाई पर जताया विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। नीट पेपर लीक प्रकरण और बढ़ती महंगाई के विरोध में बुधवार को रायबरेली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

दीवानी न्यायालय के सामने आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई गई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और अधिवक्ता शामिल हुए। पंकज तिवारी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिससे

मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा महंगाई पर नियंत्रण की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि युवाओं और आम जनता की

युवाओं के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़: पंकज तिवारी

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में सामने आए नीट पेपर लीक मामले ने लाखों छात्रों और उनके परिवारों को चिंता में डाल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक जैसी गंभीर घटना के बावजूद दोषियों के खिलाफ अब तक कोई ठोस और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे छात्रों में निराशा और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखेगी।

कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी युवाओं, छात्रों, किसानों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी।

उन्होंने सरकार से शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने, रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण करने की मांग की।

बेरोजगा री और आर्थिक संकट पर भी उठाए सवाल

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि छोटे व्यापारियों और पटरी दुकानदारों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का भरोसा देने वाली सरकारें अपने वादों को पूरा करने में विफल रही हैं।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

शादी के एक माह बाद, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में शादी के महज एक माह बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान 20 वर्षीय चांदनी के रूप में हुई है, जो बीघापुर थाना क्षेत्र के हृदय नगर निवासी मनोहर की पुत्री थी। उसकी शादी 7 मई 2026 को शहर कोतवाली क्षेत्र के बक्खा खेड़ा निवासी मनोहर पुत्र दिनेश के साथ हुई थी। चांदनी के मामा दिलीप पुत्र रामसनेही ने मंगलवार देर रात करीब 12:50 बजे शहर कोतवाली पुलिस को सूचना दी। उन्होंने आरोप

लगाया कि शादी के बाद से ही चांदनी को ससुराल पक्ष द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा था और मंगलवार रात उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना मिलते ही कोतवाली सदर पुलिस मौके पर पहुंची। युवती को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर दोनों पक्षों के परिजन अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस मृतका के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि विवाह को अभी एक माह ही हुआ था, इसलिए मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है। ससुराल पक्ष के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। जांच में किसी की भूमिका सामने आने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली सदर पुलिस के अनुसार, प्राप्त तहरीर के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या नहीं है।

फास्ट न्यूज

दिव्यांगों के सम्मान, अधिकारों को लेकर पदयात्रा

उन्नाव। दिव्यांगजनों के सम्मान, अधिकारों और विभिन्न मांगों को लेकर शुक्लागंज से लखनऊ तक 'दिव्यांग सम्मान पदयात्रा' शुरू की गई। नगर कांग्रेस दिव्यांग प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य दिव्यांगों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना और उनके लिए बेहतर सुविधाओं की मांग करना है। तिवारी और प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव कर रहे हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे पर बस पलटी, एक महिला की मौत

हरदोई। हरदोई जनपद में गंगा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात एक सड़क हादसे में अमेठी की एक महिला की मृत्यु हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सवायजपुर कोतवाली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 289 पर चालक को नींद की झपकी आने के कारण एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में करीब 50 सवारियां बैठीं थीं। हादसे के तुरंत बाद आसपास रहने वाले लोग मौके पर आ गए। सभी लोगों ने तत्काल बस के अंदर से सवारियों को बाहर निकाला गया।

उन्नाव में चलती बाइक में लगी आग

उन्नाव। उन्नाव के नवाबगंज क्षेत्र में बुधवार दोपहर जैतीपुर रेलवे स्टेशन के पास सड़क पर दौड़ रही एक बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बाइक आग का गोला बन गई, जिससे आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, क्योंकि बाइक चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली।

कलेक्ट्रेट में कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

राहुल गांधी के समर्थन और ग्रेट निकोबार परियोजना के विरोध में सिग्नेचर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। जिला कांग्रेस कमेटी और शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को ग्रेट निकोबार परियोजना के विरोध तथा पर्यावरण संरक्षण के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। यह अभियान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पर्यावरण संरक्षण संबंधी जन-जागरूकता पहल के समर्थन में आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे ने कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना से पर्यावरण और जैव विविधता को गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी विकास की विरोधी नहीं है, लेकिन विकास का मॉडल ऐसा होना चाहिए जो प्रकृति, पर्यावरण

और आने वाली पीढ़ियों के हितों की रक्षा कर सके। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा शुरू की गई यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है, जिसका उद्देश्य लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना है कार्यक्रम के समापन पर कांग्रेस नेताओं ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता को बचाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा।

साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस जन-जागरूकता अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

दो चरणों में चला हस्ताक्षर अभियान

अभियान का पहला चरण कलेक्ट्रेट परिसर स्थित धरना स्थल पर आयोजित किया गया, जबकि दूसरा चरण शहर के कंपनी गार्डन में संपन्न हुआ। दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपने हस्ताक्षर कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्थन व्यक्त किया और अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।

आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा है पर्यावरण संरक्षण

शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए पर्यावरण जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाना कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और जनहित से जुड़े इस अभियान को अपना समर्थन दिया है, जो समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करेगा।

बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

हस्ताक्षर अभियान में युवा जिला अध्यक्ष मोहन सिंह, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अजीत विशाल नंदवंशी, पंचायती राज विभाग की जिला अध्यक्ष मोहिनी देवी, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष उमा राजवंशी, विनोद यादव, ओम प्रताप सिंह वर्मा, युवा जिला उपाध्यक्ष तुषार दीक्षित, शहर कांग्रेस महासचिव इस्लाम गाजी, एडवोकेट अमित चंद्रा, शहर कांग्रेस सचिव अनूप सिंह, अजय दीक्षित, मोरध्वज वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष हरियावा शरीफ अहमद, पीसीसी सदस्य आशीष पाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नागरिक मौजूद रहे।

एनएच 30 पर सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

सीतापुर में बुलेट बाइक की सड़क पार करते समय मारी टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के रामकोट थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में रिश्तेदारी में आए एक बुजुर्ग की मौत हो गई। नेशनल हाईवे-30 पर सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बुलेट बाइक की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के दौरान उनकी मौत हो जाने से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार राजेंद्र प्रसाद (57 वर्ष) पुत्र निवासी ग्राम कुसमी, मजरा इमलिया सुल्तानपुर, रिश्तेदारी में रामकोट थाना क्षेत्र के खगेसियामऊ गांव आए हुए थे। बुधवार सुबह वह किसी काम से घर से निकले थे। बताया जाता है कि जब वह नेशनल हाईवे-30 पार कर रहे थे, तभी तेज गति से आ रही एक बुलेट बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर

इतनी तेज थी कि राजेंद्र प्रसाद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर हालत में उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। हालांकि हालत नाजुक होने के कारण उपचार के दौरान राजेंद्र प्रसाद ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार और रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सराही झील में सरकारी पेड़ों की अवैध कटान

बाराबंकी में चार लकड़कटों पर मुकदमा दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के टिकैतन-गर थाना क्षेत्र स्थित सराही झील में सरकारी यूकेलिप्टस के पेड़ों की अवैध कटान का मामला सामने आया है। वन विभाग ने इस संबंध में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, सराही झील परिसर में 38 सरकारी यूकेलिप्टस के पेड़ काटे जा रहे थे। अवैध कटान की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आरोप है कि वन कर्मियों द्वारा कटान रोकने का प्रयास करने पर लकड़कटों ने उनसे विवाद किया, जिससे मौके पर काफी देर तक हंगामा हुआ। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर है। आरोप है कि आरोपियों ने स्वयं भी इस घटना का वीडियो बनाया था। मामला सामने

आने के बाद वन विभाग के उच्च अधिकारियों ने संज्ञान लिया और तत्काल हस्तक्षेप किया। उच्चाधि-कारियों के निर्देश पर चार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरकारी संपत्ति और वन संसाधनों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, वन विभाग और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अवैध कटान से जुड़े अन्य तथ्यों की भी पड़ताल की जा रही है।

ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत

हरदोई। हरदोई जनपद के संडीला कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। कोथावां-संडीला मार्ग पर मलेहरा स्थित अंग्रेजी शराब ठेके के पास एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर संडीला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के कोथावां कस्बा निवासी 30 वर्षीय अमित पुत्र गंगाराम के रूप में हुई है। अमित संडीला स्थित पेप्सीको कंपनी में कार्यरत था। मंगलवार रात वह नाइट ड्यूटी पर कंपनी गया था और बुधवार सुबह ड्यूटी खत्म कर अपनी स्कूटी से घर लौट रहा था। मलेहरा के पास एक अज्ञात ट्रैक्टर ने उसकी स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अमित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

डेयरी संचालक के घर लाखों की चोरी

नकदी-जेवरात समेट ले गए चोर, ग्रामीणों ने पुलिस गश्त पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। जिले के सदरपुर थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला दिबियापुर चौकी क्षेत्र के फरदापुर जहांगीराबाद गांव का है, जहां मंगलवार रात अज्ञात चोरों ने एक डेयरी संचालक के घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना का पता बुधवार सुबह चलने पर परिवार के लोगों के होश उड़ गए। वहीं गांव में इस वारदात को लेकर दहशत और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित राजा राम पुत्र शिवबरन, निवासी फरदापुर जहांगीराबाद के अनुसार मंगलवार रात परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर किसी तरह घर के अंदर घुस आए और कमरों में रखे सामान को खंगालना शुरू कर दिया। चोरों ने बड़ी ही सफाई से घर में रखी नकदी और कीमती

आभूषण समेट लिए तथा मौके से फरार हो गए। पीड़ित परिवार के अनुसार चोर घर से करीब 2 लाख 25 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के कई कीमती जेवरात चोरी कर ले गए। चोरी हुए सामान में तीन सोने की अंगूठियां, एक सोने की चेन, एक सोने का लॉकेट, तीन जोड़ी चांदी की पायल तथा बिछिया शामिल हैं। परिवार का कहना है कि चोरी हुए सामान की कुल कीमत लाखों रुपये में है। बुधवार सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घर के अंदर का दृश्य देखकर सन्न रह गए। कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और नकदी व जेवरात गायब थे। इसके बाद परिजनों ने आसपास के लोगों को जानकारी दी, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पीड़ित परिवार तथा आसपास के लोगों से पूछताछ कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी करने तथा चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना के खुलासे का दावा कर रही है। उनका कहना है कि यदि पुलिस नियमित रूप से सतर्क गश्त करती तो चोर इतनी बड़ी चोरी नहीं कर पाते।

हादसा : लखनऊ में बहन की मैरिज एनिवसर्री से लौट रहे थे, माता-पिता की आंखों सामने 6 साल की बेटी की मौत

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मां-बेटे समेत 3 को कुचला

- हादसे में जान गवाने वाली मृतक महिला सुधा देवी और ब्रजेंद्र कुमार। साथ ही बाइक पर सवार 6 साल की बच्ची नैना।
- घटनास्थल पर मृतकों के चप्पल-जूते सड़क किनारे पड़े हुए थे। बाइक के टूटे हुए हिस्से भी मिले हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में सड़क हादसे में मां–बेटे और मासूम समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सभी लखनऊ से एक मैरिज एनिवर्सरी प्रोग्राम से लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्राली ने

टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्ची करीब साढ़े 4 फुट हवा में उछलकर 8 फिट दूर जा गिरी। बाइक सवार मां–बेटे को कुचलते हुए ट्रैक्टर–ट्राली चालक फरार हो गया। सिर के बल गिरने के बाद बच्ची का सिर फट गया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। बाइक पूरी तरह चकनाचूर हो गई। पीछे दूसरी बाइक पर चल रहे बच्ची के माता–पिता और भाई की आंखों के सामने यह हादसा हुआ। पुलिस ने तीनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फरार ट्रैक्टर–ट्राली चालक की धरपकड़ के लिए पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है। घटना जिला मुख्यालय से 17 किलोमीटर दूर लखनऊ–देवा रोड पर गोपालपुर मोड़ के पास की है। देवा थाना क्षेत्र के देवगांव मलिकासांड निवासी निर्मल कुमार ने बताया– मेरी बहन की मंगलवार को मैरिज एनिवर्सरी थी। पत्नी, 6 साल की बेटी नैना, 22 साल के बेटे को बाइक से लेकर लखनऊ के मटियारी स्थित हरिदासी खेड़ा गांव गया था। साथ में मेरे पड़ोसी ब्रजेंद्र कुमार (22) और उनकी मां सुधा देवी

(50) भी अपनी बाइक से गए थे। प्रोग्राम अटेंड करने के बाद हम लोग देर रात लखनऊ से वापस बाराबंकी लौट रहे थे। मेरी बाइक पर मैं, मेरी पत्नी और बेटा सवार थे। दूसरी बाइक पर बृजेंद्र, उनकी मां सुधा और मेरी बेटी नैना थे। निर्मल ने बताया– ब्रजेंद्र आगे चल रहे थे। मैं पीछे चल रहा था। लखनऊ–देवा रोड पर गोपालपुर मोड़ के पास पहुंचे थे, तभी टर्न लेते समय एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्राली ने ब्रजेंद्र की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बृजेंद्र और उनकी मां सुधा देवी ट्रैक्टर–ट्राली के पहिए के नीचे आ गए। बुरी तरह कुचल गए। मेरी बेटी नैना सिर के बल गिरी।

> अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक रोहित शुक्ला ने बतायाझ तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों खंगाले जा रहे हैं।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में गहन जांच, आज सख्ती बढ़ी

गोरखपुर-हापुड़ घटनाओं के बाद अभ्यर्थियों के आभूषण

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के तीसरे दिन जिले के परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था और जांच प्रक्रिया को और अधिक कड़ा कर दिया गया। गोरखपुर और हापुड़ में परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाने की सामने आई घटनाओं के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। परीक्षा को नकलविहीन एवं पारदर्शी बनाने के लिए अभ्यर्थियों की सघन तलाशी लेकर ही केंद्रों में प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह से अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों को कलावा, बेल्ट, हाथों के कड़े, सोने-चांदी के आभूषण सहित अन्य प्रतिबंधित

वस्तुएं उतारनी पड़ीं। महिला अभ्यर्थियों के कानों के कुंडल, मंगलसूत्र और बालों में लगे क्लेचर तक उतरवाए गए। इसके बाद सुरक्षा उपकरणों से जांच कर उन्हें परीक्षा कक्ष में भेजा गया। जिले में तीसरे दिन कुल आठ परीक्षा केंद्रों पर 5,264 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं।

दो दिनों में 3,316 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

भर्ती परीक्षा के पहले दो दिनों में 3,316 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन का मानना है कि निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्ती जरूरी है। सभी केंद्रों की गतिविधियों पर कंट्रोल रूम से नजर रखी जा रही है। पुलिस अफसरों ने बताया कि परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि की निगरानी कंट्रोल रूम के माध्यम से की जा रही है। किसी भी प्रकार की नकल, अनुचित साधनों के प्रयोग या संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अभ्यर्थियों से नियमों का पालन करते हुए समय से परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है।

सम्पादकीय

पाकिस्तान की बर्बरता

यह अच्छा हुआ कि भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के लोगों पर पाकिस्तानी सेना के दमन चक्र का संज्ञान लिया। ऐसा किया जाना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी के चलते 30 लोग मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त तमाम लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में ठूंस दिया गया है, ताकि असंतोष की आग किसी तरह शांत हो, लेकिन वह और भड़क रही है। इसका कारण पाकिस्तान सरकार की वहां के लोगों से की गई वादाखिलाफी है।

पिछले वर्ष अक्टूबर में मुजफ्फराबाद समझौते के तहत पाकिस्तान सरकार ने वहां के लोगों की समस्याओं का समाधान करने के जो वादे किए थे, वे खोखले ही साबित हुए। वहां के लोगों का धैर्य इसलिए जवाब दे गया है, क्योंकि महंगाई बढ़ने के साथ बुनियादी सुविधाओं का अभाव बढ़ रहा है। यह पहली बार नहीं, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले इस भारतीय भूभाग के लोगों ने अपनी उपेक्षा और दुर्दशा से त्रस्त होकर बगावती तेवर दिखाए हों। वे पहले भी ऐसा करते रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें प्रताड़ना ही मिली है।

पाकिस्तान अपने कब्जे वाले इस भारतीय हिस्से के संसाधनों का दोहन तो करता है, लेकिन वहां के लोगों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं उपलब्ध कराता। भारत को तंग करने के लिए जब-तब कश्मीर का राग अलापने वाला पाकिस्तान अपने हिस्से के लोगों का जैसा उत्पीड़न करने में लगा हुआ है, उसकी मिसाल मिलना कठिन है।

निःसंदेह केवल इतना ही पर्याप्त नहीं कि भारत गुलाम जम्मू-कश्मीर के बिगड़ते हालात पर चिंता जताए। उसके लिए ऐसे कदम उठाना भी आवश्यक है, जिससे वहां की चिंताजनक स्थितियों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय गंभीरता से ध्यान दे। यह ठीक है कि ब्रिटेन के 50 सांसदों ने वहां के लोगों के खिलाफ जारी अत्याचार पर चिंता जताई, लेकिन आखिर क्या कारण है कि यूरोपीय समुदाय के देश और विशेष रूप से अमेरिका मौन है? इन देशों का मौन यही बताता है कि वे किस तरह मानवाधिकारों के बर्बर उल्लंघन पर दोहरे रवैये का परिचय देते हैं?

भारत का हित इसी में है कि विश्व समुदाय इससे भली तरह परिचित हो कि इस भारतीय क्षेत्र पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। इससे ही पाकिस्तान दबाव में आएगा और भारत का अपने इस भूभाग पर दावा मजबूत होगा। भारत को गुलाम जम्मू-कश्मीर पर अपना दावा मजबूत करने के लिए इसलिए और अधिक सक्रिय होना होगा, क्योंकि इस क्षेत्र पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे के कारण ही भारत की अफगानिस्तान तक सीधी पहुंच स्थापित नहीं हो पा रही है। भारत को संसद में पारित प्रस्ताव के अनुरूप इसके प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा कि वह अपने इस हिस्से को हासिल करने और अपनी सीमा अफगानिस्तान तक ले जाने को लेकर गंभीर है।

मोदी युग के बारह वर्षः विकास विश्वास और विराट का उदय

> मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है। मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है। इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है। हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था।

ललित गर्ग

पीओजेके में अस्थिरता ...

कमलेश पांडेय

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में बर्बर सैन्य-पुलिस हिंसा के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ

पीओजेके में समय-समय पर सामने आने वाली हिंसा, दमन, विरोध-प्रदर्शन और मानवाधिकार संबंधी आरोप केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि इनके कई अंतरराष्ट्रीय आयाम भी हैं। चूंकि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (PoJK) में हाल के दिनों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई हिंसक झड़पों ने भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। इसलिए सबने कड़ी प्रतिक्रिया दी है, क्योंकि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार कई लोगों की मौत हुई, तथा बड़ी संख्या में लोग घायल हुए तथा गिरफ्तारियां और इंटरनेट प्रतिबंध जैसी कार्रवाइयाँ भी की गईं। लिहाजा यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय चिंता का भी सबब बन चुकी है।

जहां तक भारत की सधी हुई कड़ी प्रतिक्रिया की बात है तो भारत सरकार ने इस घटना पर सधी हुई कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कथित पुलिस बर्बरता और प्रदर्शनकारियों की मौतों पर चिंता जताते हुए कहा कि पाकिस्तान पीओके में अपने प्रशासनिक और राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए दमन का रास्ता अपना रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस स्थिति पर ध्यान देने और मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने की मांग की है।

जहां तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की बात है तो एमनेस्टी इंटरनेशनल (Amnesty International) ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई, गिरफ्तारियों और इंटरनेट बंदी पर चिंता व्यक्त की तथा शांतिपूर्ण संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और कुछ कश्मीरी अधिकार कार्यकर्ताओं ने भी पीओके में मानवाधिकारों की स्थिति पर सवाल उठाए हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है। जबकि प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने घटनाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक असंतोष और नागरिक अधिकारों से जुड़े व्यापक संकट के रूप में प्रस्तुत किया है।

लिहाजा, पीओजेके में होने वाली बर्बर हिंसा के मायने केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके प्रभाव मानवाधिकार, भारत-पाकिस्तान संबंध, चीन की रणनीतिक परियोजनाओं, क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति तक फैलते हैं। इसलिए ऐसी घटनाओं को केवल स्थानीय नहीं, बल्कि व्यापक भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाता है। आइए इसे विस्तार से इसके अंतरराष्ट्रीय मायने समझते हैंः-

पहला, मानवाधिकारों का गम्भीर वैश्विक मुद्दाः यदि किसी क्षेत्र में नागरिकों पर अत्यधिक बल प्रयोग, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध या राजनीतिक दमन के आरोप लगते हैं, तो यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और वैश्विक मंचों का विषय बन जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान ऐसे मामलों पर नजर रखते हैं।

पीओजेके में अस्थिरता या हिंसा की खबरें अमेरिकी-चीनी पिल्ले पाकिस्तान के उस दावे को चुनौती दे सकती हैं कि वहां के लोग संतुष्ट और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत रह रहे हैं। इससे उसकी कूटनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

इंडिया और पाकिस्तान के बीच कश्मीर पहले से ही एक संवेदनशील मुद्दा है। पीओजेके में हिंसा की घटनाएं दोनों देशों के राजनीतिक विमर्श और कूटनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को और तेज कर सकती हैं।

चौथा, चीन की रणनीतिक चिंताएंः पीओजेके से होकर सीपीईसी (China-Pakistan Economic Corridor) का महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। लिहाजा क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ने पर चीन की आर्थिक और सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ सकती हैं।

पांचवां, दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय सुरक्षाः किसी भी संवेदनशील सीमा क्षेत्र में लंबे समय तक अस्थिरता बनी रहने से क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-निरोधक प्रयासों और सीमापार तनावों पर प्रभाव पड़ सकता है। इस कारण प्रमुख शक्तियां स्थिति पर नजर बनाए रखती हैं।

छठा, कश्मीर विमर्श का नया आयामः पीओजेके में विरोध-प्रदर्शन या हिंसा की घटनाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बहस भी जन्म देती हैं कि कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में लोगों की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आकांक्षाएं क्या हैं।

जब देश विभाजन...

डॉ0 घनश्याम बादल

रिकॉर्ड, राजनीति और विरासत

क्या सचमुच नेहरू से आगे निकल गए मोदी?

भारतीय राजनीति में प्रतीकों का महत्व हमेशा से वास्तविकताओं जितना ही रहा है। कभी किसी नेता की टोपी पहचान बन जाती है, कभी किसी का चश्मा और कभी किसी का रिकॉर्ड। 10 जून 2026 को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के उस पड़ाव का उत्सव मनाया जा रहा है, जब वे स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री पद पर बने रहने वाले नेता के रूप में पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को पार करने का दावा कर रहे हैं। स्वाभाविक है कि यह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है।

सवाल यह है कि क्या वास्तव में मोदी का कार्यकाल नेहरू से लंबा माना जाना चाहिए? यदि हाँ, तो किस आधार पर? और यदि नहीं, तो क्यों? उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र में ऐसी तुलनाएँ उपयोगी हैं या फिर वे इतिहास को राजनीतिक हथियार में बदलने का प्रयास हैं? सबसे पहले तथ्य। नेहरू 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक लगभग 16 वर्ष 9 माह तक प्रधानमंत्री रहे। मोदी 26 मई 2014 से लगातार प्रधानमंत्री हैं और 10 जून को हुए 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा कर रहे हैं लेकिन जवाहरलाल नेहरू 1947 से 1952 तक अंतरिम प्रधानमंत्री रहे क्योंकि भारत में लोकसभा का पहला चुनाव 1952 में हुआ यदि केवल लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल की गणना की जाए तो मोदी का रिकॉर्ड पंडित नेहरू के कार्यकाल से लंबा हो जाता है लेकिन यदि पद पर रहने की कुल अवधि को नापा जाएगा तो फिर नेहरू से अभी भी मोदी लगभग पौने पांच साल पीछे हैं । भाजपा इसी आधार पर इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बता रही है।

लेकिन यहीं से बहस शुरू होती है। नेहरू का कार्यकाल उस दौर का था जब देश विभाजन के घावों से जूझ रहा था, करोड़ों शरणार्थियों का पुनर्वास करना था, रियासतों का एकीकरण पूरा करना था, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना करनी थी और एक नए राष्ट्र-राज्य की बुनियाद रखनी थी। दूसरी ओर मोदी उस भारत के प्रधानमंत्री बने जो पहले से स्थापित लोकतांत्रिक ढाँचे, मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था और अपेक्षाकृत स्थिर अर्थव्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा था। इसलिए केवल दिनों की संख्या के आधार पर दोनों की तुलना करना वैसा ही है जैसे किसी इमारत की छत बनाने वाले की तुलना उसकी नींव डालने वाले से करना।

फिर भी यह भी सच है कि लोकतंत्र में चुनाव जीतना आसान नहीं होता। मोदी ने लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भाजपा को केंद्र की सत्ता तक पहुँचाया है। यह उपलब्धि छोटी नहीं है। भारतीय राजनीति में लंबे समय तक जनसमर्थन बनाए रखना अपने आप में एक बड़ी राजनीतिक सफलता है। इसलिए यदि भाजपा इसे जनादेश की निरंतरता का उत्सव कहती है तो उसमें कोई अस्वाभाविकता नहीं है। अब दोनों प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों पर दृष्टि डालें।

महानता के शिखर पर आरोहण

समस्याएं हर व्यक्ति के जीवन में आती है किंतु महान वही होता है जो प्रतिकूल परिस्थितियों में अपने मन को कमजोर नहीं करता। वह जो समता में उपस्थित होता हैं उसके संकल्प- विकल्प और दुःख का नाश हो जाता हैं । सदियों पहले भगवान् महावीर जन्मे थें । वे जन्म से महावीर नही थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुखःसे सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे वे हमारे लिए आदर्श की ऊंची मीनार बन गए।उन्होंने समझ दी की महानता कभी भौतिक पदार्थों,सुख-सुविधाओं,संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नही प्राप्त की जा सकती हैं । उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता हैं, नैतिकता के पथ पर चलना होता हैं और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती हैं। श्रेष्ठता का आधार कोई ऊंचे आसन पर बैठना नही होता हैं । श्रेष्ठता का आधार हमारी ऊंची सोच पर निर्भर करता है। हम कितनी ही आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर ले किंतु जब तक सोच ऊंची एवं व्यावहारिक अनुभव अद्धभूत नही रहेगा हम में कोई ना कोई कमी रहती रहेगी। यह बात सुनी हुई हैं पर आज भी आचरण करने योग्य हैं । स्वर्ग पाना है या सच्चा सुख अपनी सोच को शिखर तक ले जाओ की उसके आगे सितारे भी झुक जाए । वह अपने सफ़र को किसी कश्ती का मोहताज न बनाओ । इस शान से चलों की तूफ़ान भी झुक जाए । वह फिर देखो कमाल इसलिए सोच ऊंची रखे । जीवन का सबसे बडा गुरु वक्त होता है क्योंकि जो वक्त सिखाता है वो कोई नहीं सीखा सकता ।धन-वैभव आदि जीवन में कभी आदर सम्मान का मापदण्ड नहीं होता है । प्रतिष्ठा का मापदण्ड गुण सम्पदा की सम्पन्नता है । यथा मधुर व्यवहार, शालीन आचार , अनुशासनप्रियता, सेवा-भावना, मिलनसारिता , सादगीपूर्ण अहं रहित जीवन, आध्यात्मिक स्वाध्याय प्रियता, व्यवहारकुशलता आदि-आदि ही तो उच्चता की गुणवत्ता हैं । केवल रुपयों-पैसों व धन-वैभव की सम्पन्नता में तो अहं का बहुत बड़ा दोष देखा जाता है जो मन में बात-बात में रोष ला देता है। ऐसा व्यक्ति कभी भी सबकी दृष्टि में आदरास्पद नहीं हो सकता । वह चाहे कितना ही वैभव संपन्न हो। इस दृष्टि से वह सदा विपन्न ही रहेगा। हमें दुःखों का नाश करना है तो समता का आश्रय लेना पड़ेगा ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

गोरखपुर का चिलुआताल ईको-टूरिज्म और नौकाविहार का बना नया केन्द्र

जनपद गोरखपुर अपने समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सम्पदा तथा गौरवशाली इतिहास के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहाँ का गोरखनाथ मंदिर, विष्णु मंदिर, गीता वाटिका, गीता प्रेस तथा शहीद स्मारक आगन्तुकों एवं पर्यटकों को आकर्षित करते है। अन्य स्थानों में यहाँ का रामगढ़ताल, पुरातात्विक बौद्ध संग्रहालय तथा नक्षत्रशाला आदि पर्यटकों को आकर्षित करते है। इसी कड़ी में चिलुआताल को ईको-टूरिज्म तथा वाटर स्पोर्टस के नए केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। अभी हाल में ही प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 20.39 करोड़ रूपये की लागत से विकसित पर्यटन विकास परियोजना का लोकार्पण किया।

गोरखपुर के उत्तरी छोर पर चिलुआताल एक प्राकृतिक झील है। जिसे ईको-टूरिज्म और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। चिलुआताल के सौन्दर्यीकरण से न केवल स्थानीय लोगों को बल्कि बाहर से आये पर्यटकों को एक सुन्दर पिकनिक स्पॉट तथा प्राकृतिक स्थल पर घुमने का अवसर प्राप्त होगा। इस प्राकृतिक झील के विकास से आस-पास के स्थलों की व्यावसायिक गतिविधियाँ बढ़ेगी, साथ ही लोगों की आमदनी बढ़ेगी तथा रोजगार प्राप्त होगा। डबल इंजन की सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है, इस सेक्टर में निवेश एवं रोजगार की अपार सम्भावनाएं है।

20.39 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से विकसित परियोजना को जनता को समर्पित करते हुए मा0 मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि पिछली सरकारों के दौर में ताल-पोखरों पर अवैध कब्जे होते थे और गन्दगी व अपराध के केन्द्र बन जाते थे। वर्तमान सरकार ऐसे जलाशयों को संरक्षित कर उन्हें जनउपयोगी और पर्यटन विकास से जोड़ रही है। चिलुआताल का प्राकृतिक स्वरूप इसकी सबसे बड़ी विशेषता है, इसका पानी पूरी तरह से प्राकृतिक स्रोतों से आता है। इसके अलावा चिलुआताल का शांत और स्वच्छ वातावरण पर्यटन के लिए बेहद अनुकूल बनाता है।

कोल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से चिलुआताल में फ्लोटिंग सोलर प्लॉन्ट स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। इससे 20 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा। यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण संरक्षण में मदद भी करेगी। पूर्व में चिलुआताल भी रामगढ़ताल की तरह दशकों से उपेक्षित रहा है। वर्तमान सरकार ने पहले रामगढ़ताल का कायाकल्प करके उसे वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है। अब चिलुआताल को भी सँवारा जा रहा है। यूपी प्रोजेक्टस कॉरपोरेशन लिमिडेट की ओर कराये गये कार्यों में 570 मी0 पाथवे का निर्माण घाट की सीढ़ियों का निर्माण, रेलिंग, सोलर लाइट, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड, बेन्च 400 मी0 एप्रोच रोड तथा 500 मी0 साइड वाल का निर्माण आदि शामिल है।

रामगढ़ताल के नौकाविहार की तरह विकसित होने से चिलुआताल की आभा निखर कर सामने आ रही है। स्थानीय लोग सुबह-शाम टहलने के लिए आना शुरू कर दिये है। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के विजन से विकसित चिलुआताल टूरिस्ट स्पॉट मनोरंजन के साथ-साथ रोजगार का केन्द्र भी बनेगा। यहाँ पर कई दुकाने बन कर तैयार है, घाट पर एक तरफ लोग सर्वाधिक लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर मनोरंजन का लाभ प्राप्त करेंगे, वहीं स्थानीय व्यन्जन का लाभ भी उठा सकेंगे। चिलुआताल में भी रामगढ़ताल की तरह लोगों को बोटिंग करने तथा वाटर स्पोर्ट्स का आनन्द प्राप्त होगा। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में पर्यटन अवसरों के सौन्दर्यीकरण पर विशेष ध्यान दे रही है। धार्मिक स्थलों से लेकर ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों को सहेज कर नई पीढ़ी के लिए संरक्षित किया जा रहा है। यह सभी स्थल हमारी सांस्कृतिक चेतना के केन्द्र है। प्रदेश के विकसित यह स्थल प्रदर्शित करते है कि हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं प्राकृतिक सम्पदा कितनी समृद्धशाली है। इन स्थलों तक पहुचनें के लिए पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया गया है। पर्यटक/श्रद्धालु कम समय में पसंदीदा स्थल तक पहुँच सकते है। इसके लिए कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया गया है। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर होने के कारण प्रदेश में पर्यटकों के आगमन में कई गुना वृद्धि हुई है।

धार्मिक स्थलों में काशी, प्रयागराज, मथुरा, अयोध्या, कुशीनगर में पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके साथ ही इस सेक्टर में निवेश भी बढ़ रहा है और साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती भी मिल रही है। इसके अलावा ईको-टूरिज़म के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे तेजी से उभरते औद्योगिक और निवेश केंद्रों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राज्य न केवल उद्योग, निवेश और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। हाल ही में गोरखपुर की कंपनी नॉर्दर्नएक्सप्रेस इंफ्राडेवलपर्स प्रा.लि. द्वारा महेसरा ताल (चिलुआताल) में 20 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजना स्थापित कराना उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह परियोजना केवल एक व्यावसायिक सफलता नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की बढ़ती औद्योगिक क्षमता, स्थानीय उद्यमों की दक्षता तथा हरित ऊर्जा के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। गोरखपुर स्थित महेसरा ताल, जिसे चिलुआताल के नाम से भी जाना जाता है, अब देश के महत्वपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में अपनी पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। यह प्रतिष्ठित फ्लोटिंग सोलर परियोजना भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा जारी की गई थी। परियोजना के लिए देशभर की 25 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।

यूपी में आज से प्री-मानसून बारिश, 35 शहरों में अलर्ट

आंधी-तूफान से ऑडिटोरियम की छत उड़ी, महिला पर टिनशेड गिरा, 3 की मौत

जानकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में भीषण गर्मी के बीच मौसम बदलने वाला है। प्रदेश में बुधवार से प्री-मानसून बारिश का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। बुधवार तड़के नोएडा-गाजियाबाद और संभल में तेज हवा के साथ बारिश हुई। हालांकि, बाकी शहरों में तेज धूप निकली। मौसम विभाग ने आज 35 जिलों में आंधी, बारिश और बिजली-ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। 17 शहरों में हीटवेव (लू) का भी अलर्ट है। IMD के मुताबिक, कल यानी 11 जून से एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होगा। इससे प्री-मानसून जोर पकड़ेगा। इससे पहले,

मंगलवार को आंधी-तूफान ने चित्रकूट, इटावा, फिरोजाबाद और सीतापुर में भारी नुकसान पहुंचाया। चित्रकूट में 4.5 करोड़ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम की छत उड़ गई। इटावा में 100 की रफ्तार से आए तूफान में टिनशेड उड़कर महिला पर गिर गई। सड़क पर पेड़ के नीचे दबकर बुजुर्ग की मौत हो गई। सीतापुर में लखनऊ बॉर्डर के पास हाईवे पर पेड़ उखड़कर गिर गया। नीचे दबने से सफाईकर्मी की मौत हो गई। फिरोजाबाद में निर्माणाधीन मकान का लोहे का गेट गिरने से एक मौत हो गई। पत्नी और बेटी बुरी तरह घायल हो गए। लखनऊ के वैज्ञानिक अतुलसिंह ने बताया- यूपी में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। कहीं लू चल रही है तो कहीं आंधी-बारिश हो रही है। कल यानी 11 जून से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे प्री-मानसून की गतिविधियों में तेजी आएगी। 15-16 जून आंधी-तूफान और बारिश का सिलसिला चलता रहेगा। मानसून अपने तय समय यानी 20 जून तक एंट्री करेगा। 10 दिन के अंदर पूरे यूपी पर छा जाएगा। आपके शहर में गर्मी से राहत कबसे मिलने लगेगी, मानसून कब तक आ जाएगा?

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

- 11 जून: पूरे प्रदेश में प्री-मानसून की गतिविधियां शुरू हो सकती है। पूर्वी यूपी में बारिश के आसार हैं। पश्चिमी यूपी में लू चलेगी।
- 12 जून: पूरे प्रदेश में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। गर्मी और लू से राहत मिलने की उम्मीद है।
- 13 जून: पूर्वी और पश्चिमी यूपी में रिमझिम बारिश के आसार हैं। पारा 3-4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क सकता है।
- 14 जून: पूरे प्रदेश में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। हल्की ठंडी हवाएं गर्मी से राहत दिलाएंगी।
- 15 जून: पूर्वी और पश्चिमी यूपी में तेज हवाएं चलेंगी। जोरदार बारिश होगी। लू से राहत बरकरार रहेगी।

मदरसे की धनराशि गबन करने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़। आजमगढ़ में अवैध मदरसे के नाम पर शासकीय धनराशि के गबन के मामले में 25 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले में मदरसा पोर्टल पर अपलोड मदरसे के सत्यापन के दौरान बड़ी संख्या में मदरसे मानक के विपरीत और अवैध पाए गए। SIT की जांच में अवैध और फर्जी पाए गए मदरसों द्वारा अनुदान के पैसे का गबन करने का मामला सामने आया है।। इस मामले में मदरसा प्रबंधक अनीश के विरुद्ध शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। फरार चल रहे आरोपों पर 25000 का इनाम भी घोषित किया गया था। जिले में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कोतवाली पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अनीश जो की जौनपुर का रहने वाला है कहीं फरार होने वाला है। इस सूचना पर आरोपी को शाहगंज रोडवेज के पास से हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी को न्यायालय भेजा जा रहा है।

फास्ट न्यूज

बदायूं में अब थाने से सीधे एसएसपी से बात

बदायूं। बदायूं में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) अंकिता शर्मा ने पुलिस और फरियादियों के बीच की दूरी कम करने तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए एक नई पहल की है। इसके तहत, अब फरियादियों को अपनी समस्या लेकर एसएसपी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। 11 जून से प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

गाजीपुर पंचायत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

गाजीपुर। गाजीपुर में पंचायत चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। जिले में कुल 28 लाख 11 हजार 268 मतदाता दर्ज किए गए हैं। इन मतदाताओं में 15 लाख 20 हजार 131 पुरुष और 12 लाख 91 हजार 137 महिला मतदाता शामिल हैं। यह सूची जिले की 7 तहसीलों और 16 विकास खंडों में जारी की गई है। मतदाता सूची 10 जून से 12 जून तक नि:शुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाता पंचायत घर, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, साधन सहकारी समिति और उचित मूल्य की दुकानों पर जाकर अपना नाम जांच सकते हैं।

विकास भवन में आग लगी तो बुझाने के इंतजाम नाकाफी

कानपुर देहात। कानपुर देहात के विकास भवन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। जिले के विकास की योजनाएं संचालित करने वाले इस प्रमुख प्रशासनिक केंद्र में लगे करीब एक दर्जन फायर सिलेंडर अपनी वैधता अवधि पूरी कर चुके हैं, जिससे कर्मचारियों और आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। विकास भवन कानपुर देहात का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक केंद्र है।

मस्जिद में रेप का आरोपी मौलाना एनकाउंटर में हुआ गिरफ्तार

फिरोजाबाद पुलिस ने पैर में गोली मारी, वाटर कूलर से पानी भरने आई थी नाबालिग

आरोपी मौलाना शहर से भागने की फिराक में था। पुलिस ने एनकाउंटर में उसे गिरफ्तार किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में 14 साल की लड़की से मस्जिद में रेप करने वाले मौलाना को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी मौलाना के पैर में गोली मारी। एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद ने बताया- आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 2 टीमें बनाई गई थीं। बुधवार को सूचना मिली कि आरोपी भागने की फिराक में है। रामगढ़ थाना पुलिस ने घेराबंदी की। चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स तैनात कर चेकिंग की जाने लगी। चौराहों

पर नाकाबंदी की गई। इस बीच नैपई अंडरपास के पास मौलाना किसी का इंतजार करते नजर आया। पुलिस को देखते ही मौलाना भागने लगा। पीछा करने पर उसने तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में मौलाना के पैर में गोली लगी। वह घायल हो गया। इसके बाद टीम ने उसे धर दबोचा। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में भी मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी मौलाना ने 7 जून को मस्जिद में वाटर कूलर से ठंडा पानी भरने आई किशोरी के साथ रेप किया था। जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस के मुताबिक, 7 जून 2026 को दोपहर करीब एक बजे पीड़िता मस्जिद में लगे वाटर कूलर से पानी भरने गई थी। आरोप है कि उस समय मस्जिद में मौजूद जाकिर हाफिज (48) ने किशोरी को अकेला पाकर जबरन पकड़ लिया। मुंह दबाकर उसे अपने कमरे में ले गया। उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारपीट की। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता की मां की तहरीर पर रामगढ़ थाने में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। एसएसपी आदित्य लांग्हे ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया।

'राम को काल्पनिक' कहने पर राहुल के खिलाफ दोबारा सुनवाई

वाराणसी कोर्ट ने निचली अदालत का फैसला रद्द किया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। भगवान राम को कथित तौर पर काल्पनिक कहने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ FIR की मांग वाली याचिका पर फिर से वाराणसी कोर्ट में सुनवाई होगी। MP-MLA की सीनियर कोर्ट ने बुधवार को लोअर कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। एडिशनल डिस्ट्रिक जज (ADJ) यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने केस को वापस लोअर कोर्ट भेजते हुए नए सिरे से सुनवाई करने के आदेश दिए हैं। राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। पिछले साल 12 मई को एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने

याचिका दायर की थी। दावा किया था कि राहुल गांधी ने अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को 'पौराणिक' बताया था। 10 जून, 2026 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (MP-MLA) कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। इस आदेश के खिलाफ हरिशंकर पांडेय ने 26 सितंबर, 2025 को जिला जज की कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की थी।

'राहुल अनाप-शनाप बयान देकर हिंदुओं को अपमानित कर रहे'

एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने याचिका में दावा किया था कि राहुल गांधी 21 अप्रैल, 2025 को अमेरिका के बोस्टन गए थे। यहां पर ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ उनका एक सेशन था। यहां राहुल ने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिए थे। उन्होंने भगवान राम को 'पौराणिक' बताया था। साथ ही उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी लगातार सनातन धर्म के पूर्व अवतारों और महान प्रतीकों पर अनाप-शनाप बयान देकर हिंदुओं को अपमानित कर रही।

सीनियर एडवोकेट हरिशंकर पांडेय ने कहा- राहुल गांधी के खिलाफ सुनवाई का पूरा आधार है। इसी आधार पर हमारी याचिका स्वीकार की गई है।

अमरोहा में निकाह से एक दिन पहले महिला की हत्या

प्रेमी के साथ सोई थी, सुबह खून से लथपथ शव मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

अमरोहा। अमरोहा में निकाह से एक दिन पहले प्रेमी ने महिला की हत्या कर दी। रात में प्रेमी महिला के घर पर ही रुका था। दोनों कमरे में साथ सो रहे थे। इसी दौरान उसने महिला का उसकी ही चुन्नी से गला घोंट दिया। महिला के 4 बच्चे कमरे के बाहर सो रहे थे। सुबह जब बच्चों की नींद खुली, तो मां का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा था। प्रेमी मौके से फरार था। बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को बुलाया। SP-CO, पुलिस और फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। मामला जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर हसनपुर क्षेत्र का है। महिला के देवर की शिकायत पर प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। संभल के मोहल्ला कोटगर्वी की रहने वाली आयशा अंसारी (40)

आयशा अंसारी, मृतक

की शादी रईस के साथ हुई थी। दोनों के 4 बच्चे- फायजा (18), साहिल (16), रिहान (14) और एहसान (8) हैं। 4 साल पहले रईस की मौत हो गई थी। करीब 4 महीने पहले आयशा अपने बच्चों के साथ अमरोहा में रहने आ गई थी। यहां वह उझारी कस्बे के बस स्टैंड के पास गुड्डू वारसी के मकान में किराए पर रहती थी। बुधवार को आयशा का दूसरा निकाह संभल के रहने वाले परवेज के साथ होना था। इसके चलते 3 दिन पहले ही परवेज उझारी पहुंच गया था। वह आयशा के ही घर में रुका था।

मंगेतर चीखते हुए बोली- एक बार चेहरा दिखा दो, पुलिस से झड़प के बाद उठी अर्थी

गोली मारकर छोटे भाई को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। सात जन्मों का रिश्ता निभाने का वादा करने वाले सत्यप्रकाश उर्फ शुभम शर्मा (23) की हत्या के बाद उसकी मंगेतर फुट-फुटकर रोई। वह बार-बार शुभम का चेहरा दिखाने की जिद करती रही। परिजन उसे पकड़कर ढांढस बंधाते रहे। मंगलवार दोपहर के समय, जहां ब्रह्मभोज की तैयारियां चल रही थी, सौ से अधिक रिश्तेदार-पटीदार जुटे थे। वहां घटना के बाद हर तरफ चीख पुकार की आवाज आ रही थी। गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के जंगल धूषण बड़की रेतवाहिया गांव में मंगलवार को कुछ ऐसा दृश्य देखने को मिला। मां के ब्रह्मभोज के दिन ही 2 सगे भाइयों के बीच विवाद हो गया। बात बिगड़ती चली गई। तभी बड़े भाई दुर्गविजय शर्मा ने कमर से तमंचा निकालकर छोटे भाई शुभम के सीने में गोली मार दी। छोटा भाई

वहीं गिरकर तड़पने लगा। परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद घर में कोहराम मच गया। नाराज परिजनों ने बड़े भाई के घर पर हमलार कर तोड़फोड़ की। इस दौरान उसकी पत्नी को भी जमकर पीट दिया। जिसे पुलिस ने सीएचसी पर भर्ती कराया। कोमल शर्मा की चार बेटे हैं। इसमे बड़ा दुर्गविजय, श्यामू, सोनू और सबसे छोटा शुभम शर्मा था। कोमल शर्मा छोटे बेटे शुभम को बहुत मानते थे। दुर्गविजय को यह बात बुरी लगती थी। इसको लेकर आए दिन विवाद होता था। एक एकड़ कीमती जमीन कोमल के नाम थी। जिसको लिखवाने के लिए दुर्गविजय बार-बार प्रयास करता था।

पुलिस से झड़प के बाद अंतिम संस्कार हुआ

शुभम के शव का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शाम करीब 5 बजे शव सफेद कपड़े में लपेट कर गांव लाया गया। जवान बेटे का शव देखकर पिता कोमल की तबीयत बिगड़ने लगी। सभी रिश्तेदारों ने उन्हें संभाला। इसके बाद मझले बेटे श्यामू रिश्तेदारों और गांव के लोगों के साथ शव का अंतिम संस्कार करने पिपराइच के घाट की तरफ निकला। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स भी साथ में चल रही थी। अचानक रास्ते में सैकड़ों ग्रामीण परिजनों के साथ शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। पुलिस से झड़प भी हुई। परिजन सीएम को बुलाने की मांग कर रहे थे। पुलिस के आश्वासन देने पर करीब आधे घंटे बाद वे शव लेकर दाह संस्कार करने के लिए रवाना हुए।

शव गांव में आया तो पुलिस से हुई झड़प

चार भाइयों ने मिलकर किया था ब्रह्मभोज का इंतजाम

इसके अलावा श्यामू और शुभम अपने पिता कोमल शर्मा के अलग घर में रहते थे। चारों ने मिलकर ब्रह्मभोज का इंतजाम किया था। मां की मौत के बाद मंगलवार को ब्रह्मभोज का कार्यक्रम रखा गया था। घरवाले शोक में डूबे थे। लेकिन, आयोजन को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई की जान चली गई। मां के ब्रह्मभोज वाले दिन हुई इस घटना से पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया है।

गांववालों ने बताया कि इस परिवार में 4 भाई थे। सबसे बड़ा दुर्गविजय है। फिर श्यामू, सोनू और सबसे छोटा शुभम था। दुर्गविजय गांव में 500 मीटर दूरी पर अलग घर बनाकर अपने परिवार के साथ रहता है। उसके साथ छोटा भाई सोनू भी रहता है।

वारदात : 5 साल का अफेयर, 4 महीने पहले शादी, पत्नी बोली- भाई मुझे भी मारना चाहता था

नौकरी जॉइन करने से 2 दिन पहले पति की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। 'शादी के बाद हम दोनों काफी खुश थे, लेकिन घर वाले नाराज थे। भाई और मामा हमें जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इसलिए हमने घर छोड़ दिया। मुजफ्फरनगर में एक रिश्तेदार के घर रहने लगे। पति कहते थे- सब सही हो जाएगा। उसकी SSF में नौकरी लग गई थी। आज (11 जून) ज्वाइनिंग थी, लेकिन उन लोगों ने पहले ही उसकी जिंदगी छीन ली।' ये बातें पुलिस भर्ती परीक्षा देने सहारन-पुर आई आकांक्षा ने रोते हुए कहीं। जिनके पति शिवकुमार की मंगलवार को परीक्षा केंद्र से 500 मीटर दूर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आकांक्षा ने अपने भाई, पिता, मामा और रिश्तेदारों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। आकांक्षा ने संवाददाता से फोन पर बातचीत में

शिवकुमार मृतक

बताया कि भाई और मामा हमें मारना चाहते थे। कई बार धमकियां दी थीं। जब मैं परीक्षा देकर घर जा रही थी, तभी रास्ते में उन्होंने हमारी स्कॉर्पियो कार को घेर लिया। इसके बाद भाई मंजीत ने पति शिवकुमार की कनपटी में गोली मार दी। वह मुझे भी मारना चाहता था, लेकिन लोगों के आने से भाग गया। शामली के खेड़ी बैरागी में रहने वाले शिवकुमार पुत्र सलेक चंद ने 4 महीने पहले अपने ही गांव की लड़की आकांक्षा से लव मैरिज की थी। मंगलवार को आकांक्षा की यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा रामपुर मनिहारान स्थित गोचर इंटर कॉलेज में थी। शिवकुमार किराए की स्कॉर्पियो से परीक्षा दिलाने आया था। परीक्षा खत्म होने के बाद

आरोपियों की तलाश में पांच टीमें

डीआईजी अभिषेक सिंह ने बताया- आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 टीमें लगाई गई हैं। संभावित ठिकानों पर छापे मारे जा रहे हैं। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि हमलावरों को परीक्षा केंद्र, यात्रा कार्यक्रम और वाहन की जानकारी कैसे मिली। कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान खंगाले जा रहे हैं।

स्कॉर्पियो जैसे ही केंद्र से 500 मीटर दूर हाईवे पर पहुंची, तो आकांक्षा का भाई और मामा बाइक से उनका पीछा करने लगे।

"गांव के लोग बताते हैं कि शिवकुमार शांत स्वभाव का था। नौकरी लगने के बाद वह गांव में सम्मान के साथ लौटना चाहता था, लेकिन खेड़ी बैरागी गांव स्थित घर उसकी डेडबॉडी आई है। शव को देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई। आज दोपहर उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

शादी के बाद से भाभी के घर वाले भाई का पीछा करते थे

शिवकुमार की बहन नीतू ने बताया- शादी के बाद से ही आकांक्षा के परिवार वाले घर आकर बदतमीजी करते थे। शिवकुमार का पीछा करते थे। भाभी को परीक्षा दिलाने के लिए वह सहारनपुर गया था। उसे पता चल गया था कि भाभी के घर वाले पीछा करते हुए आ गए हैं। इस पर भाई ने पिता और छोटे भाई को बुलाया था, लेकिन उससे पहले ही भाई को मार डाला।

अखिलेश परिवार को निशाना बनाना घटिया राजनीति : तेज नारायण पांडेय

राम मंदिर में चोरी से ध्यान भटकाने की कोशिश, आंदोलन की चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव की निजी जिंदगी से जुड़े तमाम दावे सोशल मीडिया पर किए जा रहे हैं। पूर्व मंत्री और अयोध्या के सपा नेता तेज नारायण पांडेय (पवन पांडेय) ने इसके पीछे भाजपा को बताया है। उन्होंने कहा, अखिलेश के परिवार को निशाना बनाना घटिया राजनीति है। यह केवल एक राजनीतिक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि प्रदेश की हर बेटी, हर बहन और हर मां के सम्मान पर चोट है। मऊ में घोसी सीट से सपा सांसद राजीव राय ने कहा, राजनीति का सबसे घटिया स्तर और मानसिक विक्षिप्तता की पराकाष्ठा है। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी के बारे में सोशल मीडिया पर भद्दे और गंदे पोस्ट किए जा रहे हैं और यूपी पुलिस ने अभी तक कोई

पवन पांडेय ने बुधवार को एक्स पर एक लंबी पोस्ट लिखी। वीडियो भी जारी किया। उन्होंने कहा, जब अखिलेश यादव ने राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी को लेकर सवाल उठाए तो भाजपा के नेताओं ने आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत हमलों का रास्ता अपना लिया।

पवन पांडेय पूर्व मंत्री

कार्रवाई नहीं की है। क्योंकि वो किसी भाजपा नेता की बेटी नहीं है? शर्म करो। पवन पांडेय ने कहा, राम मंदिर दान राशि से जुड़े सवालों का जवाब देने के बजाय भाजपा के कुछ नेता और समर्थक राजनीतिक विरोधियों के परिवारों को निशाना बना रहे हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग (भाजपा) स्वयं को सनातन संस्कृति का सबसे बड़ा संरक्षक बताते हैं, वही राजनीतिक प्रतिशोध में महिलाओं और बेटियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला काम करते हैं। सनातन परंपरा में नारी को शक्ति, सम्मान और पूजनीय स्वरूप माना गया है, लेकिन भाजपा की राजनीति में जब जवाब देना कठिन हो जाता है तो चरित्रहनन और परिवारों पर कीचड़ उछालना ही सबसे आसान हथियार बन जाता है। जो लोग यह लिख रहे हैं उन्हें भी मां ने जन्म दिया होगा, उनकी भी कोई बहन होगी, पत्नी होगी यदि ऐसा उनके परिवार के साथ हो तो उन्हें कैसे लगेगा।

शंकराचार्य पर फर्जी एफआईआर करवाई : आशुतोष

रामभद्राचार्य के शिष्य ने दबाव डाला, साजिश में कई अफसर शामिल

मुकदमा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा/प्रयागराज/शामली। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर दो बटुकों से यौन शोषण का केस दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने यू-टर्न ले लिया है। उन्होंने फेसबुक पर वीडियो जारी कर कहा कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी रामचंद्र दास ने दबाव डालकर अविमुक्तेश्वरानंद पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया था। इस साजिश में कई अफसर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा- मुझे गुमराह किया गया था। इन्होंने किस तरह हमें बर्बाद किया और क्यों हमारे ऊपर इतना बड़ा कांड मुझसे कराया, इसका मैं जल्द खुलासा करूंगा। सारे एविडेंस मेरे पास उपलब्ध हैं। इनकी वॉट्सएप चैट भी मेरे पास है। अगर मेरे गुरु जगद्गुरु

रामभद्राचार्य की हत्या होती है, तो इसके लिए रामचंद्र दास ही जिम्मेदार होंगे। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि रामचंद्र दास कुकर्मी, ढोंगी और फ्रॉडी है। वह हमारा ही गुरु भाई है। यह मेरा दुर्भाग्य है कि मैं उससे इस प्रकार जुड़ गया। मैं जगद्गुरु रामभद्राचार्य का सम्मान करता हूं और आजीवन करता रहूंगा, लेकिन गुरु की हत्या कराने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब मथुरा एसएसपी को एक शिकायती पत्र भेजा है। रामचंद्र ने फर्जी वसीयत बनाकर श्री देव बाबा जी आश्रम पर कब्जा किया। मामला कोर्ट में जाएगा और अगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो वह कोर्ट जाएंगे। सत्य की लड़ाई लड़ूंगा, चाहे कोई भी हो। जैसे मैंने अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ लड़ाई लड़ी, उसी तरह रामचंद्र दास के खिलाफ भी कोर्ट में लड़ूंगा। मथुरा एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा- मेरे पास कोई शिकायत नहीं आई है। और ना ही मेरी आशुतोष ब्रह्मचारी से मुलाकात हुई है। प्रयागराज माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य और प्रशासन के बीच विवाद हुआ था। इसके 8 दिन बाद 24 जनवरी को आशुतोष महाराज ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने किया था पलटवार, कहा- आशुतोष से डर लगने लगा है

सोमवार को ही तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज के बयान पर पलटवार किया था। कहा था- आशुतोष ब्रह्मचारी मेरी और मेरे उत्तराधिकारी की छवि खराब करना चाहता है। वह साजिश रच रहा है। मुझे उसका आपराधिक इतिहास जानकर डर लगने लगा है, मैं कांप रहा हूं। आशुतोष महाराज के शिष्य होने के दावे पर उन्होंने कहा कि मैं अनेक स्थानों पर कथा करने जाता हूं, संभव है कि कहीं आकर आशुतोष ने दीक्षा ले ली हो। मुझे यह पता नहीं था कि उसका मन ऐसा होगा। एक शिष्य द्वारा गुरु की हत्या की आशंका जताना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें, उनके पीठ को और उनके उत्तराधिकारी को खतरा बताया जा रहा है, जो गंभीर विषय है। मैं प्रशासन से भी जांच कराने को कहूंगा, जो संवैधानिक रूप से उचित होगा, वही किया जाए।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ उनके उत्तराधिकारी रामचंद्र दास (दाहिने)।

आशुतोष ने पहले भी कहा था- जगद्गुरु की हत्या हुई तो जिम्मेदार रामचंद्र दास होगा

आशुतोष महाराज ने सोमवार को फेसबुक पर वीडियो जारी कर कहा था कि अगर उनके पूज्य गुरुदेव जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज की हत्या होती है, तो उसकी जिम्मेदारी रामचंद्र दास की होगी, जो उनका उत्तराधिकारी बना बैठा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि वह उनके गुरु की हत्या कराना चाहता है और इसके पर्याप्त सबूत उनके पास हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि इस व्यक्ति ने पहले छोटे-छोटे बच्चों के साथ कुकर्म किया था, लेकिन कुछ अधिकारियों ने उसे बचा लिया। उनके अनुसार, उनके पूज्य गुरुजी के आशीर्वाद के कारण वह बच गया।

कार खाई में गिरी, 4 टूरिस्टों की मौत

दिल्ली, हरियाणा और यूपी से आए थे घूमने, ब्रेक फेल होने से हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

देहरादून। मसूरी में कार 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। सभी यूपी, दिल्ली और हरियाणा के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जो घूमने के लिए आए थे। पुलिस के मुताबिक, हादसा आज यानी बुधवार सुबह 9 बजे झड़ीपानी रोड में हुआ है। दिल्ली नंबर की मारुति सिलेरियो कार (DL5CS4610) 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत रेस्क्यू शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। कार में 4 लोग सवार थे, जिनके शव SDRF ने निकाल लिए हैं। 1. 112 कंट्रोल रूम को मिली हादसे की सूचना- आज (10 जून 2026) सुबह करीब 09:16 बजे 112 कंट्रोल

रूम से थाना मसूरी को सूचना मिली। सूचना के अनुसार, बार्लोगंज चौकी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झड़ीपानी रोड की एक तीव्र ढलान पर एक छोटी कार अनियंत्रित होकर बेहद गहरी खाई में गिर गई है। मौके पर पहुंची पुलिस, SDRF और फायर सर्विस की टीमें- घटना की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली मसूरी से पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हुई। इसके साथ ही तत्काल SDRF, फायर सर्विस और 108 एम्बुलेंस को भी मौके पर बुलाया गया।

फास्ट न्यूज

बुलडोजर से बारात लेकर पहुंचा दूल्हा

मुरादाबाद। मुरादाबाद की 'बुलडोजर वाली बारात' के वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। यहां एक दूल्हा बुलडोजर पर सवार होकर अपनी ससुराल पहुंचा। वीडियो में दूल्हा अपने दोस्तों के साथ बुलडोजर पर बैठा नजर आ रहा है। कुछ वीडियो में वह सिगरेट के छल्ले उड़ाते हुए भी दिखाई दे रहा है। इसके अलावा दूल्हे के बुलडोजर पर डांस करने के वीडियो भी सामने आए हैं।

कार के गेट से टकराकर स्कूटी सवार की मौत

कानपुर। कानपुर में सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। सड़क किनारे खड़ी कार का दरवाजा अचानक खुलने से स्कूटी उससे टकरा गई, जिसके बाद युवक बेकाबू होकर डिवाइडर से जा भिड़ा। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोट आई। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार में बैठे युवक ने पान मसाला थूकने के लिए अचानक गेट खोल बैठा था। टक्कर के बाद राहगीरों ने कार चालक का पीछा किया, लेकिन वह कार मौके पर छोड़कर भाग गया।

जीजा ने साले को महिला संग होटल में पकड़ा

आगरा। आगरा के होटल में एक जीजा ने अपने साले को एक महिला के साथ संदिग्ध अवस्था में पकड़ लिया। इस घटना के बाद मामला इतना बढ़ गया कि जीजा और साले के बीच पहले होटल के अंदर और फिर सड़क पर जमकर मारपीट हो गई। साथ में पकड़ी गई महिला होटल की चौथी मंजिल में बनी पानी की टंकी में छिप गई।

एमआईईटी के 18 छात्रों का 8 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर चयन

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। एमआईईटी के छात्रों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्लेसमेंट का परचम लहराया है। प्रतिष्ठित माइंड सीकर्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड में संस्थान के 18 छात्र-छात्राओं का चयन 8 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ है।

कंपनी द्वारा बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट पद के लिए आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक, एमबीए और एमसीए के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया के तहत ग्रुप डिस्कशन एवं पर्सनल इंटरव्यू आयोजित किए गए, जिसके बाद कुल 18 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की।

चयनित छात्रों में बीटेक के 15, एमबीए के 2 तथा एमसीए का 1 छात्र शामिल है। सभी छात्रों को 8 लाख रुपये वार्षिक पैकेज का आकर्षक ऑफर प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर एमआईईटी के

चेयरमैन विष्णु शरण ने कहा कि संस्थान ने नई तकनीकों और इंडस्ट्री की बदलती आवश्यकताओं को एक दशक पहले ही अपनाना शुरू कर दिया था। यही कारण है कि एमआईईटी के विद्यार्थी इंडस्ट्री 4.0 एवं अत्याधुनिक तकनीकों को सीखने और उन्हें व्यवहार में लाने में हमेशा अग्रणी रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की यह उपलब्धि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण और उत्कृष्ट प्लेसमेंट संस्कृति का परिणाम है।

चयनित छात्रों को चेयरमैन विष्णु शरण,कैंपस निदेशक डॉ संजय कुमार सिंह, प्लेसमेंट डायरेक्टर आकांक्षा अग्रवाल ने बधाई दी।

सीतापुर में 15 दिन में 4 बीघे से अतिक्रमण हटाने का आदेश, 10.50 लाख का जुर्माना भी लगाया

सरकारी जमीन पर बना मदरसा संचालकों ने खुद गिराया

> बताया जा रहा है कि 8 जून को जिलाधिकारी न्यायालय ने मदरसा खाली कर तालाब की भूमि को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने के निर्देश दिए थे। साथ ही अवैध निर्माण कराने वालों पर करीब 10.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। न्यायालय ने निर्माण हटाने के लिए 15 दिन की समय सीमा निर्धारित की थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर की सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम कचनार में तालाब की सरकारी जमीन पर बने अवैध मदरसे को लेकर प्रशासन की सख्ती का असर बुधवार को देखने को मिला। जिला प्रशासन की कार्रवाई से पहले ही मदरसा संचालकों ने भवन को स्वयं ध्वस्त करना शुरू कर दिया।

मजदूरों की मदद से हैमर, हथौड़े और अन्य उपकरणों से निर्माण तोड़ा जा रहा है। क्षेत्र में यह कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम कचनार में करीब चार बीघा तालाब की सरकारी भूमि पर लगभग 15 वर्ष पहले कब्जा कर जामिया अब्दुल्लाह बिन मसऊद मदरसे का निर्माण कराया गया था। शिकायत मिलने के बाद तहसील प्रशासन ने मामले की जांच कर कार्रवाई शुरू की। इसके बाद जिलाधिकारी न्यायालय ने भी अवैध निर्माण को हटाने के आदेश जारी किए।

तालाब की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने पर प्रशासन का फोकस ग्रामीणों के अनुसार प्रशासनिक दबाव के चलते यह कदम उठाया गया है। वहीं जिला प्रशासन का कहना है कि तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर उसके मूल स्वरूप में बहाल करना प्राथमिकता है। फिलहाल ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी है और प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

डीएम कोर्ट ने खाली करने के दिए थे निर्देश

निर्धारित समय सीमा पूरी होने से पहले ही मदरसा संचालकों ने भवन को गिराना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की संभावित बुलडोजर कार्रवाई और भारी जुर्माने से बचने के लिए निर्माण से जुड़े लोगों ने मजदूर लगाकर दीवारें और छत तोड़नी शुरू कर दीं।

कानपुर में बीजेपी पार्षद का सवाल- बिना वर्क आर्डर लिए कैसे काम कराया?

एमएलए नसीम सोलंकी के नाम का पत्थर हटाने की मांग

> बीजेपी पार्षद आलोक पाण्डेय ने बताया विधायक ने अपनी निधि का प्रयोग ही नहीं किया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में शिलापटों पर नाम लिखे जाने की राजनीति में एक नया मोड़ सामने आया है। बीजेपी पार्षद आलोक पाण्डेय ने सीसामऊ विधानसभा की विधायक नसीम सोलंकी पर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बिना वर्क ऑर्डर के कराए गए सीवर लाइन कार्य का शिलापट वार्ड नंबर 5 के उखड़ी रेलवे लाइन क्षेत्र में लगवा दिया गया। इस मामले की शिकायत उन्होंने जलकल के जीएम आनंद त्रिपाठी से करते हुए

शिलापट हटाने और उसे लगवाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बीते सप्ताह विधायक नसीम सोलंकी ने पीपीपी मॉडल पर बने सुलभ शौचालय के कार्य में शिलापट पर अपना नाम न लिखे जाने को लेकर नाराजगी जताई थी। अब बीजेपी पार्षद ने उन पर ऐसे कार्य का श्रेय लेने का आरोप लगाया है, जो उनके अनुसार विधायक निधि से कराया ही नहीं गया। उससे करीब 20 मीटर पहले थोड़ी खुदाई कराकर विधायक नसीम सोलंकी के नाम का शिलापट लगा दिया गया। पार्षद का आरोप है कि शिलापट पर यह दर्शाया गया है कि कार्य विधायक निधि से कराया गया है। इतना ही नहीं, उस पर पूर्व विधायक इरफान का नाम भी लिख दिया गया है। मामले में जांच की मांग को लेकर पार्षद जलकल महाप्रबंधक आंनद त्रिपाठी के सामने जमीन पर ही बैठे रहे और शिलापट हटाने की मांग करते रहे। इस दौरान अधिकारी ने उन्हें कुर्सी पर बैठने के लिए कहा, लेकिन वह जांच के आश्वासन के बाद ही कुर्सी पर बैठे।

> वार्ड 5 के पार्षद आलोक पाण्डेय बोले- जवाहर नगर वार्ड नंबर 5 से पार्षद आलोक पाण्डेय जलकल महाप्रबंधक के कार्यालय पहुंचे। अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए वह उनके कार्यालय में फर्श पर बैठ गए। जमीन पर बैठकर उन्होंने कहा कि उनके वार्ड के उखड़ी रेलवे लाइन क्षेत्र में 400 मीटर सीवर लाइन का कार्य कराया गया था।

आगरा में देर रात आंधी-बारिश, कूलर-टीनशेड और होर्डिंग उड़े

20 से अधिक स्थानों पर पेड़ उखड़े, सुबह धूप खिली

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में मंगलवार रात को आई आंधी-बारिश से भीषण गर्मी से राहत मिली है। बुधवार सुबह से धूप निकल रही है लेकिन इसमें मंगलवार सुबह की अपेक्षा तपिश कम है। हल्की हवा भी चल रही है। मौसम विभाग ने 14 जून तक धूल भरी आंधी की संभावना जताई है। आज भी दोपहर बाद मौसम बदलने के आसार हैं। आंधी के साथ बूंदाबांदी या बारिश हो सकती है। मंगलवार देर शाम आगरा में तेज आंधी आई थी। इसके साथ ही बारिश भी हुई। इससे पहले सुबह से भीषण गर्मी से लोग परेशान हो गए थे। तेज धूप और उसम ने लोगों का हाल-बेहाल कर दिया है था। बिना एसी-कूलर के पसीना नहीं सूख रहा था। मंगलवार की अपेक्षा बुधवार

को दिन के तापमान में 0.7°C और रात के तापमान में 2.2°C की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। आगरा में मंगलवार शाम को लगभग 60 किमी/घंटा की रफ्तार से धूल भरी आंधी आई। तेज आंधी में एक यूनिपोल कार के ऊपर गिर गया। कूलर उड़कर नाले में गिर गए। लगभग 35 जगहों पर होर्डिंग गिर पड़े। 20 जगहों पर पेड़ टूट कर गिर गए। कई जगहों पर टीनशेड उड़ गए। आंधी आने के कुछ देर बाद बारिश हुई, जिसके बाद धूल शांत हुई। मौसम विभाग ने 14 जून तक मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं। 10 जून को आंधी के साथ बारिश की संभावना जताई है। 14 जून तक आंधी या तेज तूफान आ सकता है। हालांकि इस बीच में तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

होर्मुज के पास ऑयल ...

इजराइल ने लोगों को इलाका खाली करने के आदेश दिए हैं, लेकिन उनके लिए सुरक्षित निकलने का कोई रास्ता नहीं है। आदेश जारी होने के कुछ ही समय बाद इजराइल ने टायर और आसपास के इलाकों पर कई हवाई हमले किए। इन हमलों का सबसे ज्यादा असर अल-बस फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर और शहर के घनी आबादी वाले इलाकों पर पड़ा है। इलाके में लगातार ड्रोन उड़ रहे हैं और हजारों लोग अब भी शहर के अंदर फंसे हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक टायर में करीब 28 हजार फिलिस्तीनी शरणार्थी रहते हैं। इनमें से सिर्फ एक-तिहाई लोग ही चेतावनी मिलने के बाद शहर छोड़ पाए हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अब भी वहीं मौजूद हैं। कतर का एक प्रतिनिधिमंडल ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचा है। ईरानी मीडिया के मुताबिक इस दौरे में दोनों देशों के रिश्तों और मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात पर बातचीत होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैठक में युद्ध खत्म करने और तनाव कम करने के लिए बातचीत के रास्ते तलाशे जाएंगे। दोनों देश क्षेत्र में शांति बनाए रखने के मुद्दे पर भी चर्चा करेंगे। मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव के बीच इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि कतर बातचीत के जरिए हालात सामान्य करने की कोशिश कर सकता है। तेहरान यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर फोआद इजादी का कहना है कि दक्षिणी ईरान में अमेरिका के हमलों से ईरान की नीति पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। उनके मुताबिक ईरान हर हाल में होर्मुज स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहता है, क्योंकि यह उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण इलाका है। इजादी ने कहा कि ईरान के पास लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें और ड्रोन हैं। इसलिए कुछ सैन्य ठिकानों पर हमला होने से उसकी ताकत या रणनीति कमजोर नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका कुछ ठिकानों पर हमला करके अपनी ताकत दिखा सकता है, लेकिन सिर्फ सैन्य कार्रवाई से वह अपने मकसद पूरे नहीं कर पाएगा। इजादी के मुताबिक होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े विवाद का समाधान लड़ाई नहीं, बल्कि बातचीत से निकलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका में भी कई लोग मानते हैं कि इस संकट का राजनीतिक हल ही सबसे बेहतर रास्ता है। ओमान के तट के पास एक तेल टैंकर में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इसे लेकर ओमान की राजधानी मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसे ओमान तट के पास जहाज से जुड़ी घटना की जानकारी मिल गई है। दूतावास पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। दूतावास ने कहा है कि जल्द ही इस मामले में नई जानकारी साझा की जाएगी। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने आरोप लगाया है कि इजराइल कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों को उनकी जमीन और घरों से जबरन हटा रहा है। संगठन का कहना है कि यह कार्रवाई लगातार तेज हो रही है। एमनेस्टी ने अपनी 149 पन्नों की रिपोर्ट में कहा है कि यह सिर्फ कुछ यहूदी बसने वालों की हिंसा नहीं है, बल्कि इसके पीछे इजराइल की सरकारी नीति काम कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक फिलिस्तीनी परिवारों को उनकी जमीन छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा कि पिछले साढ़े तीन साल में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों को उनके घरों और जमीन से बेदखल किया गया है और उन्हें दूसरी जगह जाने पर मजबूर होना पड़ा है। दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह और इजराइली सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है।

पंचायत चुनाव की ...

यूपी में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बीती 26 मई को खत्म हो चुका है। समय पर चुनाव न हो पाने के कारण सरकार ने बड़ा फैसला लिया था। निवर्तमान प्रधानों को ही अगले 6 महीने के लिए प्रशासक के तौर पर जिम्मेदारी सौंप दी है। सरकार ने पंचायत चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर पिछड़ा वर्ग आयोग भी बनाया है। इस कमिशन को 6 महीने के भीतर जिलावार आर्थिक और सामाजिक स्तर की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। यूपी सरकार ने भले ही आयोग को 6 महीने का वक्त दिया है, लेकिन जल्द पंचायत चुनाव कराने को लेकर दायर एक याचिका अभी इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित है। हाईकोर्ट ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए ओबीसी कमिशन को जुलाई में ही अपनी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। यूपी में फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक दलों को डर है कि विधानसभा चुनाव के ठीक पहले पंचायत चुनाव कराने से उनके संगठन और चुनावी तैयारियों को भारी नुकसान हो सकता है। दरअसल, पंचायत चुनाव दलीय आधार पर नहीं लड़े जाते। इस कारण स्थानीय स्तर पर वर्चस्व की जंग और गुटबाजी चरम पर होती है। कई बार एक ही पार्टी के दो मजबूत कार्यकर्ता आमने-सामने चुनाव मैदान में उतर जाते हैं। ऐसे में लोग पार्टी की मर्यादा भूल जाते हैं। इससे मुख्य चुनाव के समय पार्टी कैडर बिखरने का खतरा रहता है। प्रदेश में ग्राम पंचायत के साथ-साथ क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) और जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव भी एक साथ कराए जाने हैं।

कांग्रेस ने विफलता ...

NDA सरकार के 12 साल पूरे होने के अवसर पर हुई बैठक में भाजपा-NDA शासित 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य नेता शामिल हुए। सभी नेताओं ने मोदी को बधाई दी। बैठक के बाद मोदी और NDA नेताओं ने झालमुड़ी भी खाई। बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में मोदी के झालमुड़ी खाने का वीडियो पहले काफी चर्चा में रहा था। NDA की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रखा, जबकि नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने उसका समर्थन किया। प्रस्ताव में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश को मिले स्थिर शासन, विकास, सुशासन और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में किए गए प्रयासों का जिक्र किया गया। NDA बैठक से पहले पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई थी। कैबिनेट ने भी सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर पीएम मोदी को बधाई दी। मंत्रियों ने उनकी उपलब्धि पर खड़े होकर तालियां बजाकर सम्मानित किया। भारत में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक, यानी करीब 16 साल 286 दिन प्रधानमंत्री रहे। आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक नियुक्त प्रधानमंत्री थे। 1952 के पहले आम चुनाव के बाद वे 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहे। इस तरह निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू का कार्यकाल 4,398 दिनों का था, जिसे नरेंद्र मोदी ने 4,399 दिन पूरे कर पीछे छोड़ दिया।

पूर्व कांग्रेस विधायक ...

उनके खिलाफ श्रावस्ती में 2017-18 से 2021-22 के बीच NHM से जुड़े कामों में बड़े पैमाने पर घोटाले के सबूत मिले हैं। पूर्व विधायक के खिलाफ विजिलेंस के लखनऊ और अयोध्या में 3 मुकदमे दर्ज हैं। पहली बार 2021 में बलरामपुर जिले में घोटाले के आरोपों पर केस दर्ज किया गया था। NHM घोटाले के दूसरे मामलों में भी मुकेश श्रीवास्तव आरोपी हैं। इससे पहले सीबीआई भी उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बाद में जमानत पर छूटे थे। जांच में सामने आया कि कई निर्माण कार्य या तो कराए ही नहीं गए, या फिर अधूरे काम के बदले पूरा भुगतान ले लिया गया। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से सरकारी धन निकाला गया। विजिलेंस के अनुसार, प्रसाद श्रीवास्तव को भी नामजद किया गया है। इनमें से डॉ. घनश्याम सिंह, डॉ. सत्यदेव, डॉ. प्रवीन कुमार और अवर अभियंता राम मनोरथ मौर्य रिटायर हो चुके हैं।

हार्दिक अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

फिटनेस टेस्ट के दौरान चोट लगी, एक दिन पहले फिट घोषित किया गया था

घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में मंगलवार को फिटनेस टेस्ट पास करने के कुछ ही घंटों बाद हार्दिक को जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) आ गया। सीरीज 13 जून से शुरू हो रही है।

32 साल के हार्दिक IPL के दौरान मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए पीठ की जकड़न का शिकार हो गए थे। वे इसी चोट से उबरकर फिटनेस क्लियरेंस सर्टिफिकेट लेने बेंगलुरु पहुंचे थे।

न्यूज एजेंसी PTI ने BCCI सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि अब नई चोट की वजह से उन्हें रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए कम से कम

हार्दिक को मंगलवार को फिट घोषित किया गया था। इसके बाद उन्हें नई चोट लग गई।

तीन हफ्ते का समय लगेगा, जिसके चलते वे आगामी सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

मंगलवार को न्यूज एजेंसी ANI ने खबर दी की भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार से शुरू होने वाली 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी खेलेंगे। दोनों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे। रोहित IPL के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं, हार्दिक पंड्या पीठ की जकड़न की वजह से परेशान थे। दोनों मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए चोटिल हुए थे। दोनों को वनडे सीरीज के लिए सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया था।

फिटनेस असेसमेंट में 10 ओवर बॉलिंग करना भारी पड़ा

जानकारी के अनुसार, हार्दिक पंड्या बेंगलुरु में फिटनेस टेस्ट के आखिरी दौर में थे। असेसमेंट के दौरान उन्होंने अपनी पूरी क्षमता देखने के लिए मैदान पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी की। माना जा रहा है कि लंबे ब्रेक के बाद अचानक बॉलिंग का पूरा कोटा डालने के कारण ही उनकी जांघ की मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और वे नई चोट का शिकार हो गए।

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार, 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। सीरीज के बाकी दो मैच 17 जून को लखनऊ और 20 जून को चेन्नई में होंगे। हार्दिक ने IPL 2026 के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए कुछ मैच मिस किए थे, लेकिन वे 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम के आखिरी मुकाबले में मैदान पर लौटे थे।

31 मई को IPL फाइनल में हैमस्ट्रिंग इंजरी के बाद कोहली को ट्रीटमेंट लेना पड़ा था। उन्होंने मैच में नाबाद 75 रन बनाए थे और मैन ऑफ द मैच चुने गए थे।

- विराट कोहली हैमस्ट्रिंग यानी जांघ की मसल्स में खिंचाव की वजह से टीम से बाहर हो चुके हैं। इस साल गुजरात के खिलाफ आईपीएल फाइनल खेलते हुए उनकी जांघ में खिंचाव आया था।

सिराज को आयरलैंड-इंग्लैंड टी-20 सीरीज से आराम

वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए फैसला प्रसिद्ध कृष्णा को मौका

मुंबई, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें आराम दिया गया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दोनों सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है।

BCCI ने बताया कि मेडिकल टीम और टीम मैनेजमेंट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। सिराज के वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, लंबे इंटरनेशनल शेड्यूल से पहले सिराज को पर्याप्त रिकवरी टाइम देना जरूरी है। सिराज हाल के महीनों में भारत के प्रमुख तेज गेंदबाजों में रहे हैं। वे क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। सिराज की जगह शामिल प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने 11 की इकोनॉमी से रन देते हुए 8 विकेट लिए हैं। BCCI ने सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी-20 टीम का नया कप्तान बनाया है। वहीं तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा वैभव सूर्यवंशी को पहली बार भारतीय टीम में जगह दी गई है। वे सबसे कम उम्र में नेशनल टीम में सिलेक्ट हुए सबसे युवा भारतीय बने।

- बोर्ड ने कहा- सिराज को रिकवरी के लिए टाइम देना जरूरी
- श्रेयस कप्तान, वैभव पहली बार नेशनल टीम में

भुवनेश्वर कुमार ने आखिरकार भारतीय टीम में वापसी पर तोड़ी चुप्पी

- भुवनेश्वर कुमार ने भारतीय टीम में वापसी पर तोड़ी चुप्पी
- भुवी ने कहा कि चयनकर्ता सही समझेंगे तो टीम में चुनेंगे
- भुवी ने आईपीएल 2026 में 28 विकेट चटकाए थे

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार आईपीएल 2026 (IPL 2026) में शानदार प्रदर्शन के कारण एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। भुवी ने सीजन में 28 विकेट लिए और यही वजह है कि भारतीय टीम में उनकी वापसी की मांग बढ़ गई है। भुवी का प्रभाव इससे भी पता चलता है कि महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर (Sachin Tendulkar) ने एक वीडियो

जारी करके आरसीबी के पेसर की सफल गेंदबाजी का विश्लेषण किया। भुवनेश्वर कुमार (Bhuvneshwar Kumar) ने आखिरकार भारतीय टीम में अपनी वापसी को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने गेंद सेलेक्टर्स के पाले में डाली है।

भुवनेश्वर कुमार ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, 'मेरा नेचर है कि मैं नहीं दिखाना चाहता कि खेलना चाहता हूं। मेरे ख्याल से सभी अपना काम कर रहे हैं। सेलेक्टर्स अपना काम कर रहे हैं। मैं अपना काम कर रहा हूं। चयन करना उनकी जिम्मेदारी है। अगर उन्हें लगता है कि मैं पर्याप्त हूं तो वो अपना काम करेंगे।' भुवनेश्वर कुमार ने साथ ही कहा कि भारत (India Cricket Team) का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है और वो खुद को भाग्यशाली समझते हैं कि ऐसा कर सके। तेज गेंदबाज ने कहा, 'मैंने खेला। मैंने वो किया, जो करना चाहता था। अगर मैंने नहीं खेला होता तो एक मैच खेलने के लिए बेताब होता। मेरे ख्याल से भारत के लिए खेलना बड़ी बात है। मैं उन भाग्यशाली लोगों में से एक हूं, जो ऐसा कर पाया।' याद दिला दें कि 36 साल के भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच जनवरी 2022 में खेला था। उन्होंने 21 टेस्ट में 63 विकेट लिए। 121 वनडे में 141 विकेट और 87 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 90 विकेट चटकाए हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट की जीत के बाद नाइटक्लब विवाद में नाम आया, दूसरे टेस्ट से बाहर

दावा : इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स संन्यास ले सकते हैं

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ सकते हैं और अंतर-राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास (रिटाय-रमेंट) का ऐलान भी कर सकते हैं। ब्रिटिश मीडिया आउटलेट टॉकस्पोर्ट की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। यह डेवलपमेंट लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर इंग्लैंड की 115 रनों की जीत के तुरंत बाद सोमवार तड़के हुए एक नाइटक्लब विवाद के बाद सामने आया है।

इस विवाद में कप्तान बेन स्टोक्स के साथ टीम के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी शामिल थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के आरोप में दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ आधिकारिक जांच शुरू कर दी है। विवाद के बाद ECB ने एक बयान जारी कर कहा,'बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब में मौजूद थे, जहां यह घटना हुई। हम मामले से जुड़ी और जानकारी जुटा रहे हैं। दूसरे टेस्ट के लिए टीम का ऐलान जल्द ही किया जाएगा।'

बेन स्टोक्स सोमवार को चेल्सी के एक नाइटक्लब में हुई घटना में शामिल थे।

लॉर्ड्स टेस्ट की जीत के कुछ ही घंटों बाद हुआ विवाद

यह घटना इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि रविवार को ही इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में 115 रनों से हराया था। मैच के आखिरी दिन गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट झटके थे और जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी, वहीं स्टोक्स को भी एक विकेट मिला था। इस शानदार जीत का जश्न मनाने के लिए ही खिलाड़ी रात में बाहर गए थे, जहां रग्बी क्लब के खिलाड़ियों के साथ उनकी बहस हो गई।

नाइटक्लब में हुई एक घटना के बाद बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन क्रिकेट रेगुलेटर की जांच के दायरे में आ गए हैं।

बोर्ड की कार्रवाई का इंतजार नहीं करेंगे स्टोक्स, खुद ले सकते हैं फैसला

क्रिकेट वेबसाइट 'द क्रिकेटर' के सीनियर कॉरेस्पोंडेंट जॉर्ज डोबेल ने टॉकस्पोर्ट से बातचीत में बताया कि स्टोक्स अनुशासन समिति के फैसले का इंतजार करने के बजाय खुद ही पीछे हटने का मन बना रहे हैं। डोबेल ने कहा, 'मुझे जो भी जानकारियां मिल रही हैं, उससे डर है कि स्टोक्स ECB की कार्रवाई से पहले ही खुद कदम उठाएंगे। बेहद दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि मैं सुन रहा हूं कि वे कप्तानी से इस्तीफा दे सकते हैं और संभवतः क्रिकेट से संन्यास भी ले सकते हैं।'

मनोरंजन

‘18 दिन का प्यार और कर ली शादी’

'रेडी' एक्ट्रेस को मारता-पीटता था आमिर खान का भाई, खोले दर्द भरे राज

नई दिल्ली, एजेंसी

साल 2011 में आई फिल्म 'रेड्डी' में सलमान खान की 'चाची सास' का किरदार अदा कर चुकी अभिनेत्री इवा ग्रोवर ने आमिर खान के सौतेले भाई हैदर अली खान से शादी की थी। मां के खिलाफ जाकर दूसरे धर्म में शादी करने वाली अभिनेत्री इवा ने हाल ही में अपना दर्द बयां किया और बताया कि उन्हें कब ये एहसास हुआ कि वह एक एक हिंसक वैवाहिक जिंदगी में फंस गई हैं। जर्नलिस्ट विक्की लालवानी को दिए गए एक इंटरव्यू में इवा ने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ₹सच यह है कि मैंने हैदर को 18 दिनों के लिए डेट किया था। 18 दिनों में आप किसी को पूरी तरह नहीं जान सकते। आज जब मैं पीछे पलट के देखती हूं, तो मुझे नहीं लगता कि पूरा दोष उनका है, कुछ गलतियां मेरे से भी हुई है,

क्योंकि मैंने बहुत ही जल्दी शादी कर ली थी। इवा ने आगे बताया कि चार साल की शादी के बाद जब वह प्रेग्नेंट थीं, तो उनके मन में यह उम्मीद जागी थी कि उनकी शादी में शायद कुछ बदल जाए, लेकिन स्थिति बिल्कुल वैसी ही थी। उन्होंने बेटी के जन्म के बारे में बात करते हुए कहा, जब मैंने उसे जन्म दिया, उस वक्त में मैं एक ऐसे स्टेज पर आ गई थी, जहां मेरे से यह सब बर्दाशत नहीं हो रहा था। ये सब सहने के साथ मैं उस वक्त में 'वक्त बताएगा कौन अपना कौन पराया' की शूटिंग कर रही थी।

इवा ने आगे कहा, "उसने मुझे प्रपोज किया और मैंने उस समय अपनी ना तो मां की सुनी और न ही किसी और की। उस समय मेरा करियर भी ऊंचाई छू रहा था। हम दोनों का धर्म अलग था, लेकिन 19वें दिन बिना सोचे-समझे मैं उसके साथ भाग गई और हमने शादी कर ली।"

'वह बहुत ही ज्यादा हिंसक था'

इवा ग्रोवर ने आमिर खान के सौतेले भाई हैदर के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे करते हुए कहा, ₹जब मैं इस शादी में एंटर हुई, तब मुझे यह एहसास हुआ कि ये वो इंसान नहीं है, जो मैं इसे समझ रही थी। उसके अंदर गुस्सा बहुत ही ज्यादा था। मैंने अपनी शादी से पहले इस तरह के अग्रेशन से कभी भी डील नहीं किया है,क्योंकि मेरे घर में बचपन से कोई आदमी था ही नहीं।

रेडी एक्ट्रेस से जब यह पूछा कि क्या वह घरेलू हिंसा का शिकार हुई हैं, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, वह बहुत वॉयलेंट था। मैं किसी एक तारीख या दिन का जिक्र नहीं करना चाहूंगी, लेकिन वह फिजिकली हिंसक था।

फिल्ममेकर भारतीराजा का 84 साल की उम्र में निधन 40 से ज्यादा फिल्में बनाई थीं

चेन्नई। दिग्गज तमिल डायरेक्टर भारतीराजा का 84 साल की उम्र में बुधवार को चेन्नई में निधन हो गया। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, उनके निधन का कारण उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं थीं।

भारतीराजा को छह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार साउथ फिल्मफेयर पुरस्कार, छह तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार और एक नंदी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2004 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था।

भारतीराजा ने 1977 में फिल्म '16 वयाथिनिले' से डायरेक्टर के तौर पर शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने चार दशक से अधिक लंबे करियर में 40 से ज्यादा फिल्मों का डायरेक्शन किया। तमिल सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें 'इयक्कुनर इमयम' की उपाधि भी मिली।

उनकी प्रमुख फिल्मों में 'किझाके पोगुम रेल', 'सिगप्पु रोजक्कल', 'अलैगल ओइवथिल्लई', 'काधल ओवियम' और 'मुधल मरियाथाई' शामिल हैं। भारतीराजा ने अपने करियर में 'सोलवा सावन' (1979), 'रेड रोज' (1980) और 'सवेरे वाली गाड़ी' (1986) जैसी कुछ हिंदी (बॉलीवुड) फिल्में भी डायरेक्ट की हैं।

विहान के जन्म के बाद एक्ट्रेस ने लिया फैसला, कटरीना कैफ की जल्द हो सकती है फिल्मों में वापसी

करिश्मा-माधुरी के बाद कैटरीना कैफ करेंगी ओटीटी पर डेब्यू

नई दिल्ली। कटरीना कैफ को एक बार फिर से फिल्मों में देखने का फैंस पलकें बिछाए इंतजार कर रहे हैं। विक्की कौशल से शादी के बाद उन्होंने सिर्फ विजय सेतुपति के अपोजिट 'मैरी क्रिसमस' में काम किया। बेटे विहान के जन्म के बाद से तो एक्ट्रेस ने पूरी तरह से ही बिग स्क्रीन से दूरी बना ली थी।

हालांकि, अब कटरीना कैफ ने एक्टिंग की दुनिया में वापसी करने के लिए कमर कस ली है। इस बार वह बड़े पर्दे पर नहीं, बल्कि OTT पर आने की तैयारी कर रही हैं।

माधुरी दीक्षित हो या काजोल बड़ी-बड़ी एक्ट्रेस अब डिजिटल प्लेटफॉर्म की दुनिया को एक्सप्लोर कर रही हैं। इसी लिस्ट में अब कटरीना कैफ का नाम भी जल्द

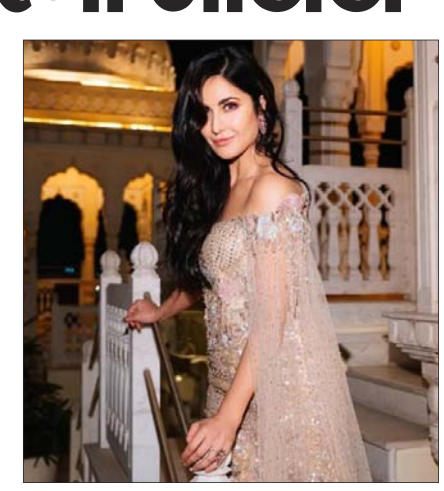

जुड़ने वाला है, क्योंकि उन्होंने OTT पर डेब्यू के लिए स्क्रिप्ट पढ़ना शुरू कर दिया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कटरीना कैफ मां बनने के बाद अब लगातार स्क्रिप्ट्स पर ध्यान दे रही हैं और वह 2027 के सेकंड हाफ यानी कि जून के बाद वापसी करने की प्लानिंग में हैं। कटरीना कैफ और विकी कौशल ने 9 दिसंबर 2021 में शादी की थी।

> रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि वह एक ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में हैं, जो उनके समय के लायक हो। कटरीना ने ओटीटी की कहानियों में भी दिलचस्पी दिखाई है, जहां उन्हें बतौर एक्टर एक अच्छा अवसर मिले। अगर चीजें सही दिशा में जाती हैं, तो कटरीना कैफ ओटीटी की दुनिया में कदम रख देंगी।

शादी के 4 साल बाद उन्होंने बेटे 'विहान' को जन्म दिया। कटरीना-विकी के बेटे का जन्म 7 नवंबर 2025 को हुआ था। बीते दिनों एक्ट्रेस ने अपने बेटे की कुछ झलकियां भी फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

नए प्रोजेक्ट्स के लिए समय ले रही हैं कटरीना कैफ

सूत्रों की मानें तो, कटरीना कैफ नए प्रोजेक्ट्स के लिए हामी भरने से पहले अपना पूरा समय ले रही हैं, ताकि वह ऐसी कहानी और किरदार पर काम कर सकें, जिससे वह एक कलाकार के तौर पर और मां के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को बैलेंस कर सकें।

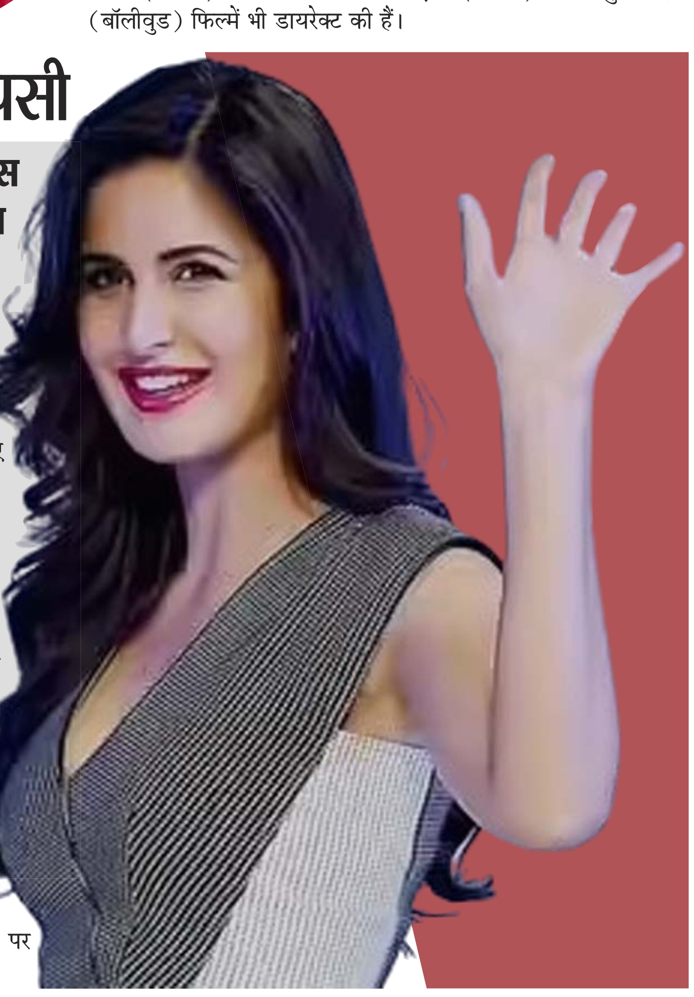

11 बच्चों समेत 13 की मौत, 14 महिलाएं घायल, तालिबान ने एयरस्पेस उल्लंघन का आरोप लगाया

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की

हमला

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने मंगलवार रात अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की। तालिबान के मुताबिक, इन हमलों में 13 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग शामिल हैं। 14 महिलाएं घायल हुई हैं।

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में आम घरों को निशाना बनाकर बमबारी की। मुजाहिद ने घायलों की फोटोज भी शेयर कीं।

हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक इस कार्रवाई के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच रिश्ते लगातार खराब होते जा रहे हैं। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच सीमा पर गोलीबारी हो रही है। अफगानिस्तान का दावा था कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने राजधानी काबुल के कई इलाकों को निशाना बनाया था। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। पाकिस्तान का दावा था कि कार्रवाई में एक गोला-बारूद डिपो को टारगेट किया गया था।

> **अफगान अधिकारियों के मुताबिक, काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुई बमबारी में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। तालिबान ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में 269 मौतों की पुष्टि हुई थी।**

तालिबान का दावा- मार्च में पाक के हमले से 400 लोगों की जान गई

तालिबान सरकार के अनुसार पिछले एक साल में पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। मार्च 2026 में अफगानिस्तान पर एक बड़ा हवाई हमला किया था।

एक दिन पहले पाकिस्तान के 6 सुरक्षाकर्मी मारे गए

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 9 जून को एक बॉर्डर चौकी पर हुए हमले में पाकिस्तान के छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक हमले के दौरान आठ आतंकवादी भी मारे गए। अधिकारियों ने दावा किया कि हमलावरों ने सीमा चौकी पर कब्जा करने की कोशिश की थी। पाकिस्तान लंबे समय से कहता रहा है कि उसकी सैन्य कार्रवाई आतंकवादी संगठनों के खिलाफ है, खासकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के खिलाफ। पाकिस्तान का आरोप है कि (TTP) के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन से काम करते हैं और पाकिस्तान में हमले करते हैं। वहीं काबुल में तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। उसका कहना है कि वह किसी भी ऐसे समूह को पनाह नहीं दे रही है। इसके उलट तालिबान पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन करने का आरोप लगाता है।

हिंसा की आग में जल रहा यूके लोगों ने घर और गाड़ियों को फूंका

अफ्रीकी प्रवासी ने की व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तरी आयरलैंड में अप्रवासियों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। ब्रिटेन में अफ्रीकी प्रवासी ने एक व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश की, जिसके बाद बेलफास्ट में नकाबपोश लोगों ने घर और गाड़ियां जला दीं और सड़कें जाम कर दीं।

यह विरोध-प्रदर्शन एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ। इसमें सूडान का एक व्यक्ति सड़क पर कथित तौर पर एक आदमी का सिर काटने की कोशिश करता दिख रहा था, जबकि आस-पास मौजूद लोग पीड़ित को बचाने की कोशिश कर रहे थे। सोमवार देर रात हुए हमले में 40 साल के एक व्यक्ति की आंखों, चेहरे और पीठ पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। मामले में 30 साल के संदिग्ध व्यक्ति को भी गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसका नाम अभी जाहिर नहीं किया गया है। उस पर हत्या की कोशिश, सार्वजनिक जगह पर चाकू रखने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

लेकिन इस घटना की जल्द ही बड़े पैमाने पर निंदा होने लगी, क्योंकि उत्तरी आयरलैंड में कई जगहों पर सैकड़ों प्रदर्शनकारी जमा हो गए। इनमें से कई के चेहरे ढके हुए थे। कुछ इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला किया और बसों, कारों व घरों में आग लगा दी जबकि अधिकारियों की शांति बनाए रखने की अपील को नजरअंदाज किया गया। ब्रिटिश मीडिया की फुटेज में पुलिस को जलते हुए घरों से परिवारों को बाहर निकालते हुए दिखाया गया और स्थानीय नेताओं का कहना है कि जिन लोगों को निशाना बनाया गया उनमें से कई अश्वेत थे।

अडाणी एनर्जी सबसे बड़ी स्मार्ट मीटर कंपनी बनी

3,050 करोड़ में खरीदी इंटेलिस्मार्ट

मुंबई, एजेंसी

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को खरीद लिया है। यह सौदा पूरे 3,050 करोड़ रुपए में हुआ है। इसके तहत एईएसएल को इंटेलिस्मार्ट की पूरी 100% हिस्सेदारी मिलेगी।

इंटेलिस्मार्ट भारत की प्रमुख स्मार्ट मीटरिंग कंपनियों में से एक है। कंपनी के पास यूपी, गुजरात, एमपी, बिहार और असम में 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटर हैं। इस अधिग्रहण के बाद एईएसएल के कुल स्मार्ट मीटरों की संख्या बढ़कर 4.7 करोड़ से अधिक हो जाएगी।

इसके साथ ही एईएसएल देश की सबसे बड़ी स्मार्ट मीटर कंपनी बन गई है। इंटेलिस्मार्ट एनआईआईएफ और ईईएसएल का संयुक्त उपक्रम है। इस सौदे में पूरी इक्विटी का अधिग्रहण शामिल है। इसके साथ अडाणी इस कंपनी में एनआईआईएफ का पूरा बकाया कर्ज भी चुकाएगी। वहीं, AESL के स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस में अभी 2.46 करोड़ से ज्यादा मीटर का ऑर्डर बुक है। अधिग्रहण के बाद कंपनी के पास 4.7 करोड़ स्मार्ट मीटर का पोर्टफोलियो होगा और इससे भारत के स्मार्ट मीटरिंग मार्केट में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की टॉप पोजीशन को और मजबूत होगी।

अमेरिका-यूके समेत इन देशों में खूब है भारतीय आमों की डिमांड

काठमांडू/नई दिल्ली। जापान के बाद अब पड़ोसी देश नेपाल ने भी भारत से आने वाले आम और कई अन्य फलों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल की बालेन शाह सरकार ने यह कड़ा कदम तब उठाया जब सीमा पर मौजूद संगरोध (क्वारंटाइन) निरीक्षकों ने भारत से आए फलों की खेप में खतरनाक रासायनिक कीटनाशकों की मात्रा तय सीमा से काफी अधिक पाई।

नेपाल के कृषि और पशुधन विकास मंत्रालय द्वारा लगाए गए ये प्रतिबंध कथित तौर पर अप्रैल-मई से ही लागू हैं। माना जा रहा है कि इस फैसले से गर्मियों के इस मुख्य सीजन में भारत के आम निर्यात को बड़ा झटका लगेगा। इससे भारत की प्रीमियम और लोकप्रिय किस्में जैसे अल्फांसो, दशहरी, चौसा, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी।

अमेरिकी एयरस्ट्राइक के जवाब में कार्रवाई, ट्रम्प बोले थे- हेलिकॉप्टर गिराने का बदला लेंगे

ईरान का बहरीन कुवैत जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला

जंग

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान ने बुधवार को बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। ईरान ने अमेरिकी ठिकानों पर कुल 21 हमले करने का दावा किया। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि नुकसान की जानकारी बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही है।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि ये हमले अमेरिकी कार्रवाई के जवाब में किए गए हैं। इससे पहले अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और निगरानी रडार ठिकानों पर हवाई हमले किए थे।

ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमले नाकाम किए

बहरीन डिफेंस फोर्स ने कहा है कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान की मिसाइल और ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक रोककर नष्ट कर दिया है।

बहरीन ने ईरान पर नागरिक इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि उसकी सेना पूरी तरह अलर्ट और तैयार है।

सेना ने लोगों से अपील की कि हमलों के मलबे जैसी किसी संदिग्ध चीज के पास न जाएं और तुरंत अधिकारियों को सूचना दें।

बहरीन ने कहा कि नागरिकों और निजी संपत्ति पर मिसाइल और ड्रोन हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन हैं।

ईरान ने कुवैत पर हमला क्यों किया

ईरान ने कुवैत को निशाना बनाने के पीछे दो बड़ी वजहें मानी जाती हैं। पहली, कुवैत की भौगोलिक स्थिति और दूसरी, वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे। कुवैत में करीब 13 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं और यह फारस की खाड़ी के बेहद रणनीतिक इलाके में स्थित है। ईरान को डर था कि अमेरिका उसके खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई में इन ठिकानों का इस्तेमाल कर सकता है। इसी वजह युद्ध शुरू होने के बाद ईरान ने कुवैत पर दबाव बनाने की कोशिश की। वह चाहता था कि कुवैत अपने यहां से अमेरिकी सेना को हटाए या कम से कम अमेरिका को अपने सैन्य अड्डों, हवाई क्षेत्र और अन्य सुविधाओं का इस्तेमाल न करने दे। हालांकि कुवैत ने यह दावा खारिज किया कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने अभियान के लिए उसकी जमीन या हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया था। लेकिन कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि बाद में कुवैत ने अमेरिकी सेना को अपनी सैन्य सुविधाओं के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के केश्म द्वीप पर केश्म सिटी इलाके में धमाके की आवाज सुनी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि धमाके की असली वजह अभी साफ नहीं है और जांच जारी है।

अमेरिकी सैनिकों को बचाने वाले ऑटोमैटिक सी-ड्रोन को जानिए

मिडिल ईस्ट में अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर गिरने के बाद पहली बार अमेरिकी नौसेना ने समुद्र में फंसे सैनिकों को बचाने के लिए सी-ड्रोन का इस्तेमाल किया। 24 फीट लंबे 'सारोनिक कोर्सेर' नाम के इस ऑटोमैटिक ड्रोन बोट ने 2 अमेरिकी सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसे समुद्री रेस्क्यू मिशन में अमेरिकी ड्रोन जहाज के पहले बड़े इस्तेमाल के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिकी सी-ड्रोन से जुड़ी अहम बातें

- 2021 में बनी टास्क फोर्स 59 अमेरिकी नौसेना की पहली यूनिट है, जो पूरी तरह मानवरहित ड्रोन सिस्टम पर काम कर रही है। इसकी तैनाती बहरीन में है।अमेरिका समुद्र की सतह और पानी के अंदर चलने वाले दोनों तरह के ड्रोन इस्तेमाल करता है। कई अंडरवॉटर सिस्टम बेहद सीक्रेट माने जाते हैं।
- इन ड्रोन का इस्तेमाल निगरानी, समुद्री बारूदी सुरंग खोजने और दुश्मन पर नजर रखने में होता है। कुछ ड्रोन हमले के लिए भी तैयार किए जा रहे हैं।
- पेंटागन इन्हें कम लागत और तेज प्रतिक्रिया वाला सिस्टम मानता है। अमेरिकी नौसेना भविष्य में बड़ी संख्या में ऐसे ड्रोन तैनात करना चाहती है।

ईरान ने मिनाब शहीदों के सम्मान में नया नोट जारी किया

ईरान के सेंट्रल बैंक ने नया 1 लाख रियाल का बैंकनोट जारी किया है। नोट के फ्रंट पर हजरत मासूमेह के दरगाह की तस्वीर है, जबकि पीछे की तरफ मिनाब स्कूल स्मारक को दिखाया गया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, यह स्मारक उस स्कूल की याद में है जो कथित अमेरिकी हमले में तबाह हुआ था। ईरान इस घटना में मारे गए लोगों को 'मिनाब शहीद' बता रहा है।

> **एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान सिर्फ उन जगहों को नहीं देख रहा था जहां से उस पर हमला हुआ, बल्कि उन ठिकानों को भी निशाना बनाने की सोच रहा था जिनका भविष्य में उसके खिलाफ इस्तेमाल हो सकता था। इसी कारण हालिया हमलों में ईरान ने कुवैत के तेल ठिकानों को भी निशाना बनाया।**

पाकिस्तान ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव पर चिंता जताई

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और नए संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है।

UN सुरक्षा परिषद में उन्होंने कहा, "हिंसा और तनाव का यह दौर खत्म होना चाहिए, ताकि क्षेत्र और दुनिया में शांति बनी रहे।"

अहमद ने कहा कि बढ़ते संघर्ष की वजह से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत प्रभावित हुई है और IAEA की जांच प्रक्रिया में भी दिक्कत आई है।

उन्होंने सभी पक्षों से शांति और कूटनीति के रास्ते पर बने रहने की अपील की।

चांदी 9,658 गिरकर 2.36 लाख किलो पर आई

10 दिन में 27 हजार की गिरावट, सोना 4,090 टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव की वजह से आज यानी 10 जून को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 4,090 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 9,658 रुपए कम होकर 2.36 लाख रुपए पर आ गई है।

31 मई को चांदी की कीमत 2.63 लाख रुपए थी। यानी सिर्फ 10 दिनों में ही ये 27 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं इस दौरान सोने की कीमत 8 हजार रुपए कम हुई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार जियो पॉलिटिकल टेंशन के चलते लोग मार्केट से पैसा निकालकर अपने पास कैश रख रहे हैं।

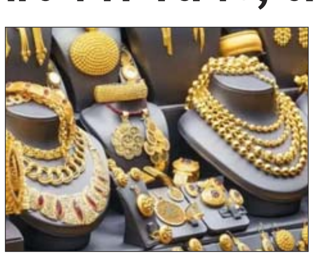

कैश की बचतः मिडिल ईस्ट जंग के कारण निवेशक जोखिम नहीं लेना चाह रहे हैं। वे अपने गोल्ड और सिल्वर को बेचकर 'कैश' इकट्ठा कर रहे हैं ताकि अनिश्चितता के समय उनके पास लिक्विड मनी रहे।

प्रॉफिट बुकिंगः जनवरी में कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं, इसलिए बड़े निवेशकों ने ऊंचे दामों पर अपनी होल्डिंग बेचना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में सप्लाई बढ़ गई और कीमतें गिर गईं।

ऑलटाइम हाई से 1.50 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 28 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी।

निवेश : गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता वाला प्लांट बनेगा, क्लीन एनर्जी के लिए भी साझेदारी

भारत का पहला एआई डेटा सेंटर बनाएगी रिलायंस-मेटा

नई दिल्ली, एजेंसी

मेटा भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी कर रही है। इस पार्टनरशिप के तहत गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर तैयार किया जाएगा, जिसे दो साल के भीतर डिलीवर करने का लक्ष्य है। इस साझेदारी के तहत रिलायंस जामनगर में डेटा सेंटर को पूरी तरह से विकसित करेगी। रिलायंस प्रोजेक्ट के लिए डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, यूटिलिटी मैनेजमेंट, रिन्यूएबल पावर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित एंड-टू-एंड सर्विसेज देगी। मेटा के फाउंडर और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा, ₹हमें भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस के साथ काम करने पर गर्व है। जामनगर की यह वर्ल्ड-क्लास फैसिलिटी हमें ग्लोबल लेवल पर अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने और भारत की इकोनॉमी में हमारे लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट को गहरा करने में मदद करेगी। जनवरी 2026 में उन्होंने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन की पूर्व सलाहकार दीना पॉवेल मैकॉर्मिक को प्रेसिडेंट और वाइस चेयरमैन नियुक्त किया, जो सरकारों के साथ मिलकर मेटा के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और फाइनेंसिंग पर फोकस कर रही हैं। अप्रैल में मेटा ने अपने पूरे साल के कैपिटल एक्सपेंडिचर के अनुमान को 115-135 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 125 बिलियन डॉलर से 145 बिलियन डॉलर कर दिया है।

> **मेटा ने डेटा सेंटर के साथ-साथ भारत के दो प्रमुख क्लीन एनर्जी प्रोवाइडर्स के साथ करीब 1 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लिए अलग से पार्टनरशिप की घोषणा की है।**

भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने को तैयार

रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बदलावकारी पल है। मेटा का भारत का पहला बिल्ट-टू-सूट डेटा सेंटर बनाना यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है। जामनगर हाइपरस्केल एआई कंप्यूटिंग के लिए एक लैंडमार्क डेस्टिनेशन बनेगा।

क्लीनमैक्स और फोर्थ पार्टनर एनर्जी से पार्टनरशिप का ऐलान

क्लीनमैक्सः राजस्थान और कर्नाटक में 837 मेगावाट (MW) के नए सोलर और विंड प्रोजेक्ट्स डेवलप किए जाएंगे। इसके साथ ही क्लीनमैक्स के साथ कुल घोषित क्षमता 900 मेगावाट से ज्यादा हो गई है।

फोर्थ पार्टनर एनर्जीः यह कंपनी तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में 88 मेगावाट के नए सोलर और विंड प्रोजेक्ट्स के जरिए बिजली की सप्लाई करेगी।

एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और 'मेटा कंप्यूट' पर भारी निवेश

मेटा अपनी बढ़ती एआई जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने पर निवेश कर रही है। जुकरबर्ग ने 'मेटा कंप्यूट' नामक एक टॉप-लेवल पहल के जरिए इस दशक में 'डिकेड्स ऑफ गीगावाट' और आगे चलकर 'हंड्रेड्स ऑफ गीगावाट' या उससे ज्यादा क्षमता बनाने का प्लान बनाया है।

साउथ अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में ताबड़तोड़ गोलीबारी

12 से ज्यादा लोगों की मौत और 9 घायल

जोहान्सबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग के पूर्व में क्लीवलैंड में बंदूकधारियों की गोलीबारी में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए।

दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सर्विस ने बताया कि मंगलवार देर शाम करीब 11:10 बजे जंपर्स अनौपचारिक बस्ती में गोलीबारी की सूचना मिलने पर अधिकारी वहां पहुंचे, जहां उन्हें इलाके में अलग-अलग जगहों पर कई पीड़ित मिले। आठ पुरुषों और तीन महिलाओं को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। बाद में अस्पताल में एक और पीड़ित की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि 10 से ज्यादा संदिग्धों को कथित तौर पर एक सफेद टोयोटा क्वांटम गाड़ी से बस्ती के पास उतारा गया था। बताया जा रहा है कि हमलावर दो रास्तों से अंदर घुसे और इलाके में घूमते हुए निवासियों पर गोलियां चलाईं और फिर उसी गाड़ी में बैठकर भाग गए। पुलिस ने एक बयान में कहा, ₹आरोप है कि क्लीवलैंड में एक पेट्रोल स्टेशन के पास सफेद टोयोटा क्वांटम गाड़ी से 10 से ज्यादा संदिग्धों को उतारा गया था।

हमले का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है और अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अधिकारियों ने संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है और लोगों से जानकारी देने की अपील की है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676